मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 203
शनिवार, 08 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

यूरिया की देश में कोई किल्लत नहीं, कुछ लोग मुनाफाखोरी के लिए परेशानी पैदा कर रहे हैं: जे पी नड्डा

नई दिल्ली, 07 फरवरी। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि देश में यूरिया खाद की कोई किल्लत नहीं है और कुछ लोग मुनाफाखोरी के लिए इसके दामों को प्रभावित कर परेशानी पैदा कर रहे हैं। नड्डा ने लोकसभा में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि जन प्रतिनिधियों को और राज्य सरकार को इस तरह के तत्वों पर कार्रवाई करने में मदद करनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के धौरहरा से समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने जब राज्य में यूरिया की किल्लत होने का दावा किया तो नड्डा ने कहा, यूरिया की किल्लत कभी नहीं रही। किल्लत पैदा की जाती है। कुछ लोग बाजार में सेंध लगाते हैं और अनावश्यक तरीके से मुनाफा कमाने के लिए इस तरह की स्थिति पैदा करते हैं। उन्होंने सांसदों से

भी अनुरोध किया कि इस स्थिति से निपटने में सहयोग करें। नड्डा ने जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्य लवली आनंद के एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि किसानों तक डीएपी उर्वरक की आपूर्ति समय पर करने के लिए एक तिथिवार, सप्ताह वार और क्षेत्रवार रणनीति बनाई जाती है। उन्होंने कहा कि जहां तक डीएपी के वितरण का सवाल है तो इसमें अनावश्यक रूप से परेशानी पैदा करने वाले तत्वों पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है और केंद्र उनके संपर्क में रहता है।

नड्डा ने कहा कि देश में यूरिया के 45 किलोग्राम के बोरे का अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) 266 रुपये है और उस पर सरकार 1400 रुपये की सब्सिडी दे रही है, वहीं 50 किलोग्राम का डीएपी का बोरा किसानों को 1350 रुपये में दिया जाता है और इस पर भी सरकार 1650 रुपये की सब्सिडी दे रही है।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने आप के विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोपों की जांच के दिए आदेश

नई दिल्ली, 07 फरवरी। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं के उन आरोपों की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) से जांच कराने के आदेश दिए जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उसके उम्मीदवारों को प्रलोभन देकर अपने पाले में करने का आरोप लगाया गया था।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्य सचिव को यह निर्देश भाजपा की दिल्ली इकाई के महासचिव विष्णु मित्तल द्वारा उपराज्यपाल कार्यालय को दिए गए ज्ञापन के बाद दिया गया।

केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर आठ फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले पार्टी के 16 उम्मीदवारों को खरीदने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि आप उम्मीदवारों को पाला बदलने पर भाजपा की ओर से मंत्री पद और 15-15 करोड़ रुपये मिलने का प्रस्ताव मिला था। इसी तरह के आरोप आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और अन्य नेताओं ने भी लगाए हैं। उपराज्यपाल को लिखे पत्र में मित्तल ने कहा कि आप नेताओं द्वारा बिना किसी सबूत के आरोप लगाना गंभीर मामला है जिसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि आप नेता ऐसी झूठी और भ्रामक सूचना फैलाकर दिल्ली में दहशत और अशांति की स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

निर्वाचन आयोग ने फॉर्म 17सी अपलोड करने से इनकार कर दिया : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, 07 फरवरी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की मतगणना की पूर्व संध्या पर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग (ईसी) ने उनकी पार्टी के कई बार अनुरोध करने के बावजूद फॉर्म 17सी अपलोड करने से इनकार कर दिया।

फॉर्म 17सी में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में प्रति बूथ पर पड़े वोटों का विवरण होता है। उन्होंने कहा कि इसके जवाब में आम आदमी पार्टी (आप) ने एक वेबसाइट की शुरूआत की है, जहां उसने सभी विधानसभा सीट के लिए फॉर्म 17सी डेटा अपलोड किया है। एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा, इस फॉर्म में प्रत्येक बूथ पर डाले गए वोटों का पूरा विवरण होता है। दिन भर में हम प्रत्येक विधानसभा और प्रत्येक बूथ के लिए डेटा को एक सारणीबद्ध प्रारूप में प्रस्तुत करेंगे ताकि प्रत्येक मतदाता इस जानकारी तक पहुंच सके।

शीर्ष चुनाव निकाय की आलोचना करते हुए केजरीवाल ने कहा कि ऐसी पारदर्शिता सुनिश्चित करना उसकी जिम्मेदारी होनी चाहिए थी। आप नेता ने कहा, पारदर्शिता के हित में निर्वाचन आयोग को यह करना चाहिए था, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह ऐसा करने से इनकार कर रहा है।

बंबई हाईकोर्ट ने रेत माफिया के खिलाफ मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल की टिप्पणी को लेकर खारिज की याचिका

मुंबई, 07 फरवरी। बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को रेत खनन के बारे में महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल के बयान के खिलाफ जांच की मांग करने वाले एक कार्यकर्ता की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। जस्टिस रेवती मोहिते-डेरे और जस्टिस नीला गोखले की बेंच ने कहा, यह किस तरह की याचिका है? वापस ले लो वरना हम कीमत लगा देंगे। यह क्या है? अतिरिक्त लोक अभियोजक प्राजक्ता शिंदे ने कहा कि याचिका मीडिया समाचार रिपोर्टों पर आधारित थी। याचिकाकर्ता शरद कोली की ओर से पेश वकील महादेव चौधरी ने कहा कि कोली ने विखे पाटिल के बयान के बारे में

पुलिस में शिकायत भी की थी लेकिन उसे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

इस साल जनवरी में सोलापुर जिले में एक कार्यक्रम में विखे पाटिल ने कहा था। सोलापुर रेत खनन और क्रशर के लिए प्रसिद्ध है। मैंने जिला कलेक्टर से कहा कि इसमें शामिल वाहनों को अपना काम जारी रखने दें. उन्हें नजरअंदाज करें यही संदेश था। इस बयान की विपक्षी दलों और जनता ने आलोचना की, जिन्होंने मंत्री पर रेत माफिया का समर्थन करने और उसे बचाने का आरोप लगाया। बाद में कहा जाता है कि उन्होंने रेत खनन पर अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा अवैध गतिविधि के खिलाफ रुख अपनाया है। यह विखे पाटिल के बयान पर आधारित था कि कोली की याचिका में मंत्री की टिप्पणी को अवैध बयान बताते हुए जांच की मांग की गई थी। हालांकि, पीठ ने कहा कि इस याचिका पर इस तरह से सुनवाई नहीं की जा सकती। अवैध बयान क्या है? गलत बयान हम समझ सकते हैं, लेकिन अवैध बयान क्या है? हमें बताएं कि क्या आप वापस ले रहे हैं, या हम जुमार्ना लगाएंगे। चौधरी ने प्रस्तुत किया कि याचिकाकर्ता पर अवैध रेत खनन के खिलाफ सक्रियता के कारण हमला किया गया था और उसने उच्च न्यायालय में कई याचिकाएँ दायर की थीं।

मोटरसाइकिल के कुएं में गिरने से चार लोगों की मौत

धार। मध्यप्रदेश के धार जिले में एक मोटरसाइकिल के कुएं में गिरने से उस पर सवार चार युवकों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना बृहस्पतिवार रात करीब पौने 12 बजे जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर छोटी उमरबंद तथा मुंडला गांव के बीच हुई।

मनावर थाना प्रभारी ईश्वर सिंह चौहान ने बताया कि एक ही मोटरसाइकिल पर सवार चार लोग तीखे मोड़ पर कुएं में गिर गए। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान संदीप (19),

अनुराग (22), मनीष (20) और रोहन (19) के रूप में हुई है।उन्होंने बताया कि ये सभी एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद छोटी उमरबंद से मुंडला गांव लौट रहे थे। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शवों को कुएं से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा देश की संस्थाओं का गला घोंट रही है : उद्धव ठाकरे

मुंबई, 07 फरवरी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी पर देश और महाराष्ट्र में संस्थाओं का गला घोंटने का आरोप लगाया।

पार्टी के रेलवे मजदूर संघ, रेलवे कामगार सेना, के एक कार्यक्रम में ठाकरे ने कहा कि उन्होंने न तो भगवा झंडे और न ही उसके आदर्शों को छोड़ा है।

ठाकरे ने कहा, सिर्फ इसलिए कि हम धैर्यवान हैं इसका मतलब यह नहीं है कि हम कायर हैं। ठाकरे ने कहा, पहले रेलवे के लिए अलग बजट होता था और रेलवे

विभाग का कुछ महत्व था, लेकिन इस सरकार के सत्ता में आने के बाद हर संस्थान का गला घोंटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने रेल बजट को मुख्य बजट में मिला दिया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) और बेस्ट जैसी संस्थाओं का गला घोंटा जा रहा है। ठाकरे ने दावा किया कि एमएसआरटीसी घाटे में है और बेस्ट की देखभाल करने वाला कोई नहीं है। ठाकरे ने कहा कि बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) को कंगाल बनाया जा रहा है।

15 करोड़ रुपये का अफीम डोडा चूरा जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने एक बयान में बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपी मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं, जो झारखंड के रांची से चावल परिवहन के बिल एवं बिल्टी की आड़ में अवैध मादक पदार्थ की जोधपुर में तस्करी करने आ रहे थे। राजस्थान पुलिस की विशेष शाखा गैंगस्टर रोधी कार्य बल (एजीटीएफ) ने एक संयुक्त अभियान में एक ट्रक कंटेनर से करीब 7003 किलो अफीम डोडा चूरा जब्त किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अफीम डोडा चूरा एक प्रकार का मादक पदार्थ है।पुलिस ने बताया दौसा जिले के मानपुर थाना व जिला पुलिस (डीएसटी) ने जयपुर आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सीकरी मोड़ के पास नाकाबंदी में एक ट्रक कंटेनर से करीब 7003 किलो अफीम डोडा चूरा जब्त किया। पुलिस के अनुसार, जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 करोड़ रुपये आंकी गई है।

यूपी की नई आबकारी नीति, एक तीर से कई निशाने

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा नई आबकारी उत्पाद शुल्क नीति को मंजूरी दिये जाने के बाद शराब के धंधे को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि नई आबकारी नीति में कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहे हैं।नई आबकारी नीति में सबसे बड़ी बातों पर गौर किया जाये तो यह साफ है कि यूपी सरकार एक तो शराब कारोबार के धंधे में मुट्ठी भर लोगों के वर्चस्व को कम करना चाहती है ।वहीं रंगीन पानी से सरकार अधिक से अधिक कमाई करने में भी गुरेज नहीं कर रही है। इसके अलावा योगी सरकार की नजर हरियाणा की आबकारी नीति में भी सेंधमारी की है। दरअसल, दिल्ली और एनसीआर के शराब के शौकीन लोग सस्ती शराब के चक्कर में गुड़गांव पहुंच जाते हैं। इसमें नोयडा और गाजियाबाद में रहने वाले पियक्कड़ भी शामिल हैं,जिसके चलते यूपी को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। गुड़गांव में सस्ती शराब होने के चलते ही दिल्ल्ी से सटे यूपी के जिलों की शराब की दुकानों में सन्नाटा पसरा रहता है। योगी सरकार की नई शराब नीति के बदलावों के परिणाम स्वरूप प्रदेश में अब कंपोजिट शराब की दुकानें देखने को मिलेंगी ।बीयर और विदेशी शराब की दुकानों को एक ही इकाई में विलय करा जा सकेगा। साथ ही राज्य में अंगूर के बागानों और माइक्रोब्रेवरीज की शुरूआत के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यूपी की नई आबकारी नीति से दिल्ली और एनसीआर के लोगों को फायदा होगा। शहर की 2021-22 की आबकारी नीति अगस्त 2022 में वापस लिए जाने के बाद से दिल्ली में शराब की दुकानों को दो साल तक विकल्प और स्टॉक का संकट झेलना पड़ा था। नई शराब नीति का मुख्य उद्देश्य 55,000 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाना और शराब कारोबार को अधिक मजबूत बनाना है.योगी सरकार 6 साल बाद नई शराब नीति लेकर आई है, हालांकि, यह अभी तय नहीं किया गया है कि शराब के दामों में कोई बदलाव होगा या नहीं. इस नीति को लागू करने में पहले देरी हुई थी क्योंकि महाकुंभ 2025 और मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के कारण आचार संहिता लागू थी.

नई आबकारी नीति को 05 फरवरी 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मंजूरी दी गई तो यह कहा जाने लगा अब तक, दिल्ली के ग्राहक गुरुग्राम से शराब खरीदने को मजबूर थे। गुरुग्राम में शराब सस्ती और इसके अधिक विकल्प मिल रहे थे। नई यूपी उत्पाद शुल्क नीति के साथ राज्य में अधिक विकल्प मिलेंगे और पूर्वी और उत्तरी दिल्ली के लोगों को गाजियाबाद-नोएडा से शराब लेना पास रहेगा। आबकारी नीति में नई सुविधाओं की घोषणा पर यूपी के आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह कहते हैं कि राज्य में अब तीन प्रकार की शराब की दुकानें होंगी-मॉडल शॉप, देशी शराब की दुकानें और कंपोजिट दुकानें। उत्तर प्रदेश में अब हर जिले में फलों से तैयार वाइन की एक-एक दुकान होगी। मंडल मुख्यालय में इसके लिए लाइसेंस फीस 50 हजार रुपये व अन्य जिलों में 30 हजार रुपये फीस होगी। इससे फल उत्पादकों के उत्पादों की खपत बढ़ेगी। इसके अलावा हर राज्य में बड़े परिसर वाली कंजिट दुकानें खुलेंगी। यहां एक साथ विदेशी मदिरा, वाइन व बीयर उपलब्ध होगी लेकिन यहां मदिरापान की अनुमति नहीं होगी। अब से विदेशी मदिरा 60 और 90 मिलीलीटर में शीशे की बोतल व सिरोंग पैक में भी उपलब्ध होगी।

नई आबकारी नीति में यह भी प्रावधान किया गया है कि किसी भी व्यक्ति या फर्म को अधिकतम दो दुकानें आवंटित हो सकेंगी। यह बात सामने आते ही सत्तर से नब्बे तक के दशक की याद ताजा हो जाती है.साल 1970-80 तक लाला मणिलाल, राजा राम जायसवाल, दीप नारायण जायसवाल, लाला राम प्रकाश जायसवाल, श्री नारायण साहू (का बोलबाला था)। 1980-90 तक लाला जगन्नाथ जी, लाला मणिलाल, विनायक बाबू थे। 1985-88 के बाद जवाहर लाल और गोरखपुर के बद्री बाबू जायसवाल आए.उत्तर प्रदेश के शराब व्यापार पर आठ या नौ व्यापारियों जैसे बाबू किशनलाल, बद्री प्रसाद जायसवाल आदि का सिक्का चलता था. लेकिन सबसे बड़ा नाम था जवाहर जायसवाल का. वो लिकर किंग के नाम से जाने जाते थे. इन्हें सिंडिकेट कहा जाता था, यानि आसान भाषा में चंद लोगों का एक शक्तिशाली गुट,जिसके सामने सरकार भी झुक जाती थी।

साल 1999 से 2004 तक सांसद रहे जवाहर जायसवाल अक्सर दावा करते मिल जाते थे कि वर्ष 1993 से लेकर 2000 तक मेरे ग्रुप के पास 22 जिले थे. इतना बड़ा बिजनेस हिंदुस्तान में कभी किसी के पास नहीं रहा. नब्बे के दशक में अपने रसूख के चरम पर राज्य में सरकारी नीतियों, शराब के दाम, व्यवस्था पर दखल रखने वाले जवाहर जायसवाल के पास, उनके मुताबिक, करीब 10,000 दुकानें थीं. वैसे अकेले जवाहर जायसवाल की बात नहीं हैं यूपी में लम्बे समय से शराब के व्यापार पर जायसवालों का कब्जा रहा है. जवाहर जायसवाल को ये बिजनेस विरासत में मिला. वो 1972 में बिजनेस में आए और अगले आठ सालों में पूरे बनारस पर उनका एकाधिकार सा हो गया.जायसवाल समाज से जुड़े कुछ लोग कहते हैं कि 50 साल पहले तक हमें कलाल बोला जाता था. कलाल मतलब जो कलाली का बिजनेस करता है. कलाली मतलब शराब. कलाल को बहुत हेय दृष्टि से देखा जाता था. लोग हमारा छुआ पानी भी नहीं पीते थे. लेकिन वक्त बदला और शराब के बिजनेस पर जायसवाल समुदाय का एकाधिकार ऐसा हुआ कि उनके प्रति समाज के अन्य वर्ग के लोगों का एकदम नजरिया ही बदल गया।

खैर, 1993 से 2001 तक जवाहर जायसवाल का दबदबा रहा. वो लिकर किंग के नाम से जाने जाते थे. लेकिन समय के साथ आबकारी नीति में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। साल 2000 में राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी. एक्साइज मंत्री थे सूर्य प्रताप शाही. शराब व्यापारियों की मनमानी खत्म करने के लिए साल 2001-02 में नई आबकारी नीति आई और शराब कारोबार के बड़े प्लेयर के रूप में पॉंटी चड्ढा का उदय हुआ और साल 2012 तक उनका वर्चस्व रहा. मायावती और अखिलेश यादव सरकारों से नजदीकियों के आरोपों के बीच पॉंटी चड्ढा का साम्राज्य फैलता गया.,लेकिन उत्तर प्रदेश में सेक्रेटरी एक्साइज रहे और 2001 की आबकारी नीति पर पीएचडी कर चुके डॉक्टर एसपी गौड़ के मुताबिक 2001 की आबकारी नीति में मानवीय लॉटरी से दुकानों के आवंटन का प्रावधान था और दुकाने के लिए कोई भी व्यक्ति जिसके पास अपनी या किराए पर प्रॉपर्टी हो वो आवेदन कर सकता था. इसके अलावा रिटेल दुकानदार कहीं से भी शराब खरीद सकते थे. इस नीति के अंतर्गत हर बॉटल पर होलोग्राम लगाया गया था ताकि उसकी बिक्री राज्य के भीतर हो. प्रवीर कुमार के मुताबिक इस नीति में सबसे बड़ा बदलाव ये था कि नीलामी से मिलने वाली राशि की जगह मिलने वाली आमदनी को दो भाग में विभाजित कर दिया गया- लाइसेंस फीस और ड्यूटी. एक दुकान की लाइसेंस फीस वहां होने वाली बिक्री के आधार पर निर्धारित की गई, जबकि फैसला हुआ कि शराब पर लगने वाला कर उसके डिस्टिलरी से बाहर निकलने से पहले ही सरकार इकट्ठा कर लेगी. नतीजा ये हुआ कि पुराने बड़े नाम धीरे धीरे बिजनेस से बाहर हो गए, मोनोपली राज पर रोक लगी और नए लोग जैसे पूर्व बैंक अधिकारी, रिटायर्ड लोग, एमबीए ग्रैजुएट बाजार में उतरे जो पहले इसकी धूमिल छवि की वजह से इससे आमतौर पर दूर रहते थे.यह सिलसिला आज भी बदस्तूर जारी है।

भारत के टॉप डिजिटल स्टार्स में पारदर्शिता की कमी

मुंबई। एडवर्टाइजिंग स्टैंडर्ड्स काउंसिल ऑफ इंडिया (अरउक) द्वारा जारी टॉप इन्फ्लुएंसर कॉम्प्लायंस स्कोरकार्ड से पता चला है कि भारत के टॉप 100 डिजिटल स्टार्स में से 69% सोशल मीडिया पर लागू दिशानिर्देशों का पालन करने में असफल रहे हैं। सोशल मीडिया पर किसी भी ब्रांड से जुड़े नजदीकी संबंधों का खुलासा करना अनिवार्य होता है। यह नियम केवल अरउक के दिशानिर्देशों के अंतर्गत ही नहीं, बल्कि केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (उउढअ) के नियमों के अंतर्गत भी लागू होते हैं। इस रिपोर्ट में सितंबर से नवंबर 2024 के बीच इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर फोर्ब्स इंडिया के टॉप 100 डिजिटल स्टार्स द्वारा किए गए ब्रांड प्रमोशन पोस्ट का विश्लेषण किया गया। इन इन्फ्लुएंसर्स की कुल पहुंच 11 करोड़ से अधिक है और ये इंडस्ट्री के ट्रेंड सेट करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। कई अन्य उभरते इन्फ्लुएंसर्स इन्हें रोल मॉडल मानते हैं, लेकिन रिपोर्ट बताती है कि इनमें से अधिकतर पारदर्शिता के मानकों पर खरे नहीं उतर रहे ।इस अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि विज्ञापन में पारदर्शिता की भारी कमी है, जिससे उपभोक्ताओं के साथ विश्वासघात होने की आशंका बढ़ जाती है।

पंजाब में फैलता ईसाई मिशनरियों का जाल!

अशोक भाटिया

चमत्कार और प्रलोभन के दम पर पंजाब में ईसाइयत का प्रसार लगातार बढ़ता जा रहा है। पटियाला से लेकर पठानकोट तक ईसाई मिशनरियों का साम्राज्य फैल रहा है। केवल दो साल के भीतर ही साढ़े 3 लाख लोगों का धर्मांतरण हुआ है। आज पंजाब बिल्कुल बदला हुआ नज़र आ रहा है। भारत में कुल तीन राज्य ऐसे हैं, जो ईसाई बहुल हैं। इनमें नगालैंड में 87.9 पर्सेंट, मिजोरम में 87.2 पर्सेंट और मेघालय में 74.6 पर्सेंट आबादी ईसाई धर्म के लोगों की है। उत्तर पूर्व के बाद गोवा में सबसे ज्यादा 25.1 पर्सेंट, केरल में 18.4 पर्सेंट, तमिलनाडु में 6.1 पर्सेंट और झारखंड में 4.3 पर्सेंट लोग ईसाई धर्म से हैं। ईसाई मिशनरी ईसाई धर्म से जुड़ी उन संस्थाओं और लोगों को कहा जाता है, जो अपने धर्म का प्रचार प्रसार करती हैं। लेकिन सिख धर्म से जुड़े संगठनों का आरोप है कि ये मिशनरी पंजाब के सैकड़ों गांवों में धर्म परिवर्तन के लिए कई तरह के अभियान चला रही हैं। और इसमें अलग-अलग पादरी गांवों में घूम घूमकर लोगों को ये बताते हैं कि कैसे उनके प्रार्थना करने से लोगों की बीमारियां ठीक हो सकती हैं और कैसे ईसाई धर्म लोगों का कल्याण कर सकता है। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स और निजी संस्थाओं द्वारा कराए गए सर्वे बताते हैं कि पंजाब में धर्म परिवर्तन के कारण ईसाई धर्म की आबादी में कई गुना वृद्धि हुई है.

बताया जाता है कि ईसाई मिशनरियां भ्रम और अंधविश्वास फैलाकर न केवल भारतीय समाज को तोड़ रही हैं, बल्कि कन्वर्जन कर समाज को लगातार कमजोर करने का प्रयास भी कर रही हैं। पिछले लगभग दो दशकों में पेंटेकोस्टल आंदोलन से प्रेरित कथित करिश्माई ईसाइयत की ऐसी लहर चली कि अब पंजाब का कोई भी जिला इससे अछूता नहीं रह गया है। सभी 23 जिलों में ईसाइयों ने अपनी पैठ बना ली है। विशेषकर, समूचे माझा, दोआबा क्षेत्र, पंजाब के मालवा क्षेत्र में फिरोजपुर और फाजिल्का के सीमावर्ती क्षेत्रों में ईसाई बहुत बड़ी संख्या में हो गए हैं। राज्य में बड़े पैमाने पर चल रहे कन्वर्जन को लेकर सिख और हिंदू समाज आक्रोशित है, जिसकी परिणति अक्सर होने वाले संघर्षों के रूप में देखी जा सकती है।

वैसे पंजाब में कितने चर्च और पादरी हैं, इसका कोई ठोस आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। लेकिन अनुमान है कि यहां पादरियों की संख्या लगभग 65,000 है। इनमें लगभग 5,000 पादरी तो ऐसे हैं, जिन्होंने हाल ही में ईसाइयत कबूल की है। इनमें से अधिकांश आज भी लोगों को बरगलाने के लिए हिंदू-सिख नाम और हिंदू सिख वेश बनाए रखे हुए हैं तथा सिख और हिंदू समाज के लोगों को कन्वर्ट कर रहे हैं। पंजाब में ऐसा कोई गांव, नगर और शहर नहीं है, जहां चर्च न हों। बल्कि घरों में ही चर्च खुल गए हैं, जहां लालच देकर सिखों और हिंदुओं को कन्वर्ट किया जा रहा है। कन्वर्जन की फांस में नौ वंचित समुदायों की बड़ी संख्या है। इनमें रविदासी (मजहबी सिख), वाल्मीकि, सांसी, बावरिया, बाजीगर, राय सिख, बराड़, बंगला, गाधिले और नट शामिल हैं। इसके अलावा, कुछ ब्राह्मण परिवार भी इनके अनुयायी हैं। राज्य में उभरती क्रिश्चियन मिनिस्ट्रिज स्वतंत्र रूप से काम कर रही हैं। हालांकि सूबे में चर्च आफ नॉर्थ इंडिया है, जिसके अंतर्गत उत्तर भारत के अधिकांश प्रोटेस्टेंट चर्च आते हैं। दूसरी ओर जालंधर डायोसिस के अंतर्गत पंजाब के 23 में से 15 जिलों के अलावा हिमाचल प्रदेश के चार जिलों के रोमन कैथोलिक चर्च आते हैं। लेकिन ये मिनिस्ट्रिज इनमें से किसी के साथ संबद्ध नहीं हैं। स्वतंत्र रूप से काम कर रहे इन पादियों को एक छतरी के नीचे लाने के हरप्रीत देओल ने पेंटेकोस्टल चर्च प्रबंधक समिति बनाई, जिससे 1,000 से अधिक स्थानीय पादरी जुड़ चुके हैं।

कहा जा रहा है कि कि पिछले कुछ समय से तथाकथित ईसाई मिशनरी चमत्कारिक इलाज और कपटपूर्ण सिखों का जबरन धर्म परिवर्तन कर रहे हैं। पंजाब के सिखों और हिंदुओं को ईसाई धर्म में धर्मांतरण कराने के लिए उन्हें गुमराह किया जा रहा है और यह सब सरकार की नाक के नीचे हो रहा है। दरअसल भारत के कानून में धर्म के नाम पर अंधविश्वास फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का प्रावधान है, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के कारण कोई भी सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं है।

वहां के लोगों का कहना है कि हम अपने धर्म में भी चमत्कारिक इलाज (पाखंडवाद) के खिलाफ हैं। बाइबल भी ऐसे लोगों की निंदा करती है, लेकिन यहाँ इस तरह के अंधविश्वासों का इस्तेमाल पंजाब के लोगों को लुभाने के लिए किया जा रहा है। ज्ञात हो कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और यहाँ के गरीब हिंदुओं और सिखों को धर्मांतरित करने के लिए ह्विदेशी ताकतेंह्व फंडिंग कर रही हैं। उन्होंने इसे चिंताजनक बताते हुए स्थानीय लोगों का कहना है कि अब इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनके अनुसार धर्मांतरण करने वाले लोग आरक्षण का लाभ भी ले रहे हैं। यह कैसे हो रहा है, यह एक प्रश्न है।

गौरतलब है कि पंजाब जैसे आधुनिक व वैज्ञानिक सोच वाले राज्य में भी अगर धर्म परिवर्तन से जुड़ी खबरें आती रहती हैं तो यह वास्तव में बहुत ही गंभीर मामला है क्योंकि यह भारत का एक मात्र ऐसा राज्य है जहां के लोगों को सिख गुरुओं ने सबसे पहले धार्मिक पाखंडवाद को नकारने का पाठ पढ़ाया और कर्म (कार्य) की शक्ति में विश्वास रखने का उपदेश दिया। यहां के लोगों की उदात्त संस्कृति ने मानवीयता को मजहब की चारदीवारी के घेरे में कैद करने से इनकार किया जिसमें सिख गुरुओं का ही सबसे बड़ा योगदान रहा क्योंकि उन्होंने मानस की जात को एक ही रूप मे पहचाना। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविन्द सिंह महाराज तक सभी दस गुरुओं ने अन्याय के समक्ष कभी भी सिर न झुकाने को मानव धर्म बताया और सत्य व हक की राह में बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने के लिए प्रेरित किया। दीन-हीन की सेवा को मानव कर्तव्य बताया और कर्म या मेहनत करने को ईमान बताया। सिख गुरुओं ने सबसे बड़ा उपदेश यह दिया कि किसी दैवीय चमत्कार पर भरोसा करने के बजाय मनुष्य अपनी मेहनत और लगन पर यकीन रख कर ही अपने जीवन में चमत्कार कर सकता है। इसका प्रमाण आज हम स्वयं केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में देख सकते हैं क्योंकि जिस प्रान्त या देश में भी पंजाबी हैं वे अपनी मेहनत व कार्यक्षमता के बूते पर ही आगे बढ़े हैं। ऐसे समाज में यदि किसी विशेष मजहब के प्रचारक यहां के सिख व हिन्दुओं को दैवीय चमत्कारों के जाल में फंसा कर उनका धर्म परिवर्तन कराते हैं तो इसका संज्ञान लिये बिना नहीं रहा जा सकता। पिछले कुछ वर्षों से पंजाब में ईसाई मिशनरी यहां के सिख व हिन्दू युवकों विशेष रूप से पिछड़े वर्ग के समाज में अपने धार्मिक दैवीय चमत्कारों के नाम पर ईसाई बनाने का अभियान चलाये हुए हैं। यह अभियान पंजाब के सरहदी जिलों में विशेष तौर पर चलाया जा रहा है। ये ईसाई मिशनरी धार्मिक पाखंड फैला कर इन लोगों को सम्मोहित करने का प्रयास करते हैं और फिर उनकी धार्मिक पहचान को अनावश्यक बता कर केश त्यागने को कहते हैं तथा ईसाई बनने के लिए प्रेरित करते हैं। इस बारे में पिछले वर्ष भी सिख समुदाय के कुछ जत्थेदारों ने ध्यान खींचने की कोशिश की थी। परन्तु तत्कालीन सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया था। परन्तु इस बार वहां के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट रूप से सरकार से मांग की है कि धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने के लिए एक कानून लाया जाये जिससे राज्य में पाखंडवाद और अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाली ईसाई मिशनरियों की गतिविधियों पर लगाम लग सके। वैसे स्वयं में यह कम आश्चर्य का विषय नहीं है कि पंजाब जैसे राज्य के लोग भी अंधविश्वास का शिकार हो सकते हैं परन्तु भौतिक लालच और रातोंरात परिस्थितियों के बदलने के मोह में व्यक्ति ऐसे चक्करों में फंस भी सकता है, जिसका लाभ ईसाई मिशनरियां संभवतः उठा रही हैं। वरना कोई वजह नहीं थी कि यहां के जागरूक लोगों को स्वयं ही इस बुराई को खत्म करने की कमान संभालने की कार्रवाई करनी पड़ती।

यदि गौर से देखा जाये तो सिख गुरुओं ने ही हिन्दू धर्म में फैले पाखंडवाद को समाप्त करने का बीड़ा उठाया था और मनुष्य को अपने ऊपर भरोसा करने का सन्देश दिया था। आज भी सिख संगतों में हमें ये उपदेश सुनने को मिलते हैं। जात-पांत के विरुद्ध भी सिख गुरुओं ने व्यापक अभियान चलाया और हर इंसान को एक समान समझने का व्यावहारिक गुर भी सिखाया। गुरुद्वारों में अनवरत लंगर चलना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है जिसमें हर दीन व मजहब के आदमी की सेवा खुली रहती है। परन्तु आश्चर्य की बात यह है कि पंजाब में जो पिछड़े या दलित वर्ग के लोग ईसाई धर्म में परिवर्तित होते हैं उन्हें ईसाई बनने के बावजूद आरक्षण की सुविधाएं मिलती रहती हैं जबकि आरक्षण की सुविधा केवल हिन्दू व सिख धर्म के दलितों को ही मिल सकती है। वैसे देखा जाये तो अंधविश्वास बढ़ाने के खिलाफ भी देश में बाकायदा कानून है मगर इसका उपयोग करने से विभिन्न राज्य सरकारें इसलिए घबराती हैं कि इसमें वोट बैंक का मसला आकर फंस जाता है। खुद को चमत्कारिक बताने वाले लोग हर मजहब में आसन जमा कर बैठे हैं। केवल सिख धर्म ही ऐसा है जिसमें ऐसी कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि इसके सन्त व धार्मिक उपदेशक गुरुओं के बताये मार्ग पर चलने के उपदेश देते हैं और उस ह्युगुरु ग्रन्थ साहबह्व को अपना प्रेरक मानते हैं जिसमें दलित व पिछड़े वर्ग के सन्तों की वाणियां भी संग्रहित हैं। अंधविश्वास व पोंगापंथी व पाखंडवाद पर करारा प्रहार होता है। अतः सवाल पाखंडवाद को समाप्त करने भी है जिसे फैला कर ईसाई मिशनरियां पंजाब का सामाजिक सौहार्द खराब करना चाहती है। दूसरा सवाल राष्ट्रीय सुरक्षा का भी है क्योंकि इस राज्य की सीमाएं पाकिस्तान से छूती हैं। भारत में धर्म परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रभाव राष्ट्रीय नजरिये पर पड़ता है। धर्म परिवर्तित होते ही व्यक्ति के निष्ठाएं भारत की पुण्य भूमि से किसी दूसरी भूमि की तरफ घूमने लगती हैं। यह व्यावहारिक वास्तविकता है। ज्ञात हो कि भारतीय संविधान के (अनुच्छेद 25-28) अनुसार कोई व्यक्ति अपनी पसंद से कोई भी धर्म चुन सकता है, और उसका प्रचार-प्रसार कर सकता है। लेकिन किसी व्यक्ति का धर्म जबरन या लालच देकर नहीं कराया जा सकता। भारतीय दंड संहिता की धारा 295-ए और 298 के अनुसार यह एक दंडनीय अपराध है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कानून बने हैं। अतः ज्ञानी जी की मांग पर धर्म परिवर्तन निषेध कानून पंजाब में लाया जाना चाहिए और विदेशी फंडिंग से धर्म परिवर्तन करवाने वाले लोगों को सबक सिखाना चाहिए ।

कोटा से मिटाने होंगे आत्महत्याओं के दाग

-रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान का कोटा शहर जितना शैक्षणिक संस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है। अब उतना ही यहां के कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं के कारण देश भर में बदनाम हो रहा है। हालांकि कोटा में छात्र आत्महत्याओं के मामले यहां पर कोचिंग लेने वाले छात्रों की संख्या की तुलना में बहुत कम है। मगर यहां पढ़ने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्याओं की दुखद घटनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है। पिछले जनवरी माह में ही कोटा में 6 विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। इसी साल 8 जनवरी को हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी छात्र नीरज, 9 जनवरी को गुना मध्य प्रदेश के अभिषेक लोधा, 15 जनवरी को उड़ीसा के अभिजीत गिरी, 18 जनवरी को बूंदी जिले के मनन जैन, 22 जनवरी को अहमदाबाद गुजरात की अफ्शा शेख और 22 जनवरी को ही नौगांव असम के छात्र पराग ने आत्महत्या कर ली थी। इनमें से पांच छात्र इंजीनियरिंग की व एक छात्रा नीट की तैयारी कर रही थी।

कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही है। कोटा में 2015 से लेकर अब तक 138 छात्रों ने आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं। यहां 2015 में 18, 2016 में 17, 2017 में 7, 2018 में 20, 2019 में 18, 2020 में 4, 2021 में एक, 2022 में 15, 2023 में 26, 2024 में 16 व 2025 में अब तक छह छात्र आत्महत्या कर अपनी जान गंवा चुके हैं। 2020 व 2021 में कोविड के चलते यहां के कोचिंग संस्थाओं के बंद रहने के कारण आत्महत्याओं के आंकड़ों में गिरावट रही थी। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रूक पा रही है। कोटा कभी राजस्थान का बड़ा औद्योगिक नगर होता था। मगर श्रमिक आंदोलनो के चलते यहां के उद्योग धंधे बंद होते गए। आज कोटा में नाम मात्र के ही उद्योग रह गए हैं। 1990 के दौरान कोटा शहर में कोचिंग संस्थान खुलने लगे थे। 2005 तक यहां बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान स्थापित हो गए जिनमें प्रतिवर्ष लाखों छात्र पढ़ने लगे। आज कोटा शहर की पूरी अर्थव्यवस्था इन कोचिंग संस्थानों पर ही निर्भर है। शहर के हर चौक-चौराहों पर छात्रों की सफलता से अटे पड़े बड़े-बड़े होर्डिंग्स बताते हैं कि अब कोटा में कोचिंग ही सब कुछ है।

यह सही है कि कोटा में सफलता की दर तीस प्रतिशत से उपर रहती है। देश के इंजीनियरिंग और मेडिकल के प्रतियोगी परीक्षाओं में टाप टेन में पांच छात्र कोटा के रहते हैं। मगर उसके साथ ही कोटा में एक बड़ी संख्या उन छात्रों की भी है जो असफल हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना आठ से दस हजार करोड़ का टर्नओवर है। कोचिंग सेन्टरों द्वारा सरकार को सालाना 800 करोड़ रुपए से अधिक टैक्स के तौर पर दिया जाता है। कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा के छात्रों की संख्या काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पड़ने वाला मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बहुत से छात्रों के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से होते हैं। उनके अभिभावक आर्थिक रूप से अधिक सक्षम नहीं होते हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए वह लोग विभिन्न स्तरों पर पैसों की व्यवस्था कर बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोटा आने वाले छात्रों को पता है कि उनके अभिभावकों ने कितनी मुश्किल से कोचिंग लेने के लिए उन्हें कोटा भेजा है। ऐसे में यदि वह सफल नहीं होंगे तो उनके अभिभावक जिंदगी भर कर्ज में दबे रह जाएंगे। यही सोचकर छात्र हमेशा मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करता रहता है। इसके अलावा यहां पढ़ने वाले छात्रों पर पढ़ाई का भी बहुत अधिक दबाव रहता है। यहां के कोचिंग संस्थानो में कई शिफ्टों में अलग-अलग बैच में पढ़ाई होती हैं। कोचिंग संस्थान भी अच्छा परिणाम दिखाने के चक्कर में छात्रों को मशीन बनाकर रख देते हैं। छात्रों पर हर दिन पढ़ाई का दबाव बना रहता है तथा साप्ताहिक टेस्ट पास करने के चक्कर में छात्र दिन-रात पढ़ाई करते रहतें हैं। जिससे ना तो उनकी नींद पूरी हो पाती है ना ही वह मानसिक रूप से आराम कर पाते हैं। ऐसे में छात्र जल्दी उठकर कोचिंग संस्थान में जाकर पढ़ाई करने व दिनभर पढ़ाई में व्यस्त रहने के कारण वह तनाव में आ जाता है। इससे कई छात्र पढ़ाई में पिछड़ने के डर से आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं।

कोटा में देश के तमाम नामी गिरामी संस्थानों से लेकर छोटे-मोटे 300 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। दिल्ली, मुंबई के साथ ही कई विदेशी कोचिंग संस्थाएं भी कोटा में अपना सेंटर खोल रही हैं। लगभग ढ़ाई लाख छात्र इन संस्थानों से कोचिंग ले रहे हैं। कोटा में सफलता की बड़ी वजह यहां के शिक्षक हैं। आईआईटी और एम्स जैसे इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में पढने वाले छात्र बड़ी-बड़ी कम्पनियों और अस्पतालों की नौकरियां छोडकर यहां के कोचिंग संस्थाओं में पढ़ा रहे हैं। तनख्वाह ज्यादा होने से कोटा शहर में 75 से ज्यादा आईआईटी पास छात्र पढ़ा रहे हैं।

केंद्र सरकार ने कोचिंग संस्थानों के लिए दिशानिदेर्शों की घोषणा की है। जिनमें कोचिंग संस्थान 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों का नामांकन नहीं कर सकते। इसके अलावा न ही वे अच्छी रैंक या अच्छे अंकों की गारंटी दे सकते हैं और न ही गुमराह करने वाले वायदे कर सकते हैं। छात्रों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं, कोचिंग सेंटरों में सुविधाओं का अभाव और उनके पढ़ाने के तौर- तरीकों के बारे में शिकायतें मिलने के बाद सरकार ने इनकी घोषणा की है। दिशानिदेर्शों के अनुसार कोई भी कोचिंग सेंटर स्नातक से कम शिक्षा वाले ट्यूटर को नियुक्त नहीं करेगा। छात्रों का नामांकन सिर्फ सेकेंडरी स्कूल परीक्षा देने के बाद हो सकेगा।

कोटा में छात्रों की बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं पर राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ द्वारा स्व प्रेरित संज्ञान आधारित याचिका की सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार की तरफ से कहा गया है कि विधानसभा के मौजूदा सत्र में इसके लिए एक नया कानून लाया जाएगा। जिससे छात्रों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं की घटनाओ पर रोक लगाई जा सकेगी।

सरकार चाहे जितनी कोशिश करे कोटा में पढ़ने वाले छात्र जब तक बिना किसी दबाव के पढाई करेंगे तभी यहां का माहौल सुधरेगा। यहां चल रहे कोचिंग संस्थानों को मशीनी स्तर पर चलाई जा रही प्रतिस्पर्धा को रोककर एक सकारात्मक वातावरण बनाना होगा। तभी छात्र खुद को सुरक्षित महसूस कर पढाई कर पाएंगे। कोटा में संचालित कोचिंग संस्थान अपने काम को पैसे कमाने कि मशीन समझना बंद कर अपने छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार नहीं करेंगे तब तक कोटा के हालात नहीं सुधर पायेंगे। कोटा के मौजूदा हालातों के कारण ही यहां कोचिंग लेने वाले छात्रों की संख्या में काफी कमी होने लगी हैं। जो कोटा शहर की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

सरकार की इच्छा शक्ति का ही परिणाम है राजस्थान की माइनिंग सेक्टर में लंबी छलांग

माइनिंग सेक्टर के महत्व को रुस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में अमेरिका की हालिया नीति के चलते आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका की यूक्रेन की खनिज संपदा पर नजर है और वह चाहता है कि यूक्रेन को सहयोग करने के बदले में यूक्रेन की खनिज संपदा के दोहन का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकार अमेरिका को मिल जाए। यही हालात दुनिया के दूसरे देशों की है। आज चीन की मोनोपोली से सभी देश गले तक भर आये हैं वहीं दुनिया के देश खनिज संपदा के भण्डारों की खोज व खनन के विकल्प ढूंढने लगे हैं। यही कारण है कि पिछले एक दशक में मिनरल एक्सप्लोरेशन के कार्य में तेजी आई है। हमारे देश में सतत खनन विकास पर जोर दिया जाने लगा है और 2016-17 से मेजर हो या माइनर मिनरल सभी माइंस नीलाम करना अनिवार्य कर दिया गया है। बदली परिस्थितियों में यह भी साफ हो जाना चाहिए कि सरकारों की ईच्छा शक्ति पर बहुत कुछ निर्भर करता है। इसका ताजातरीन उदाहरण राजस्थान सरकार और राजस्थान का खान एवं भूविज्ञान मंत्रालय है। देश-दुनिया में अवैध खनन गतिविधियों के लिए कुख्यात माइनिंग सेक्टर को नई पहचान देने के कारगर प्रयास राजस्थान में भजन लाल शर्मा सरकार ने कर के दिखाया है। केवल एक साल की समयावधी में ही माइनिंग सेक्टर में राजस्थान समूचे देश में लंबी छलांग लगाने लगा है। दिसंबर, 24 में सरकार ने कार्यभार संभालते ही माइनिंग सेक्टर में दो दिशाओं में तेजी से कदम बढ़ाये। पहला अवैध खनन गतिविधियों पर कारगार अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया तो दूसरी और सरकार ने साफ संदेश दे दिया कि खनिज बहुल क्षेत्रों की एक्सप्लोरेशन रिपोर्ट का अध्ययन करते हुए डेलिनियेशन और प्लॉट व ब्लॉक तैयार करने के कार्य को प्राथमिकता दी जाए और विभाग इन तैयार प्लॉटों व ब्लॉकों की नीलामी का रोडमेप बनाकर पारदर्शी ऑक्शन प्रक्रिया को अमली जामा पहुंचायें। सरकार की मंशा के अनुसार विभागीय अमला भी जुट गया और नई सरकार बनने के तीन माह में ही 15 मेजर मिनरल ब्लॉकों का भारत सरकार के पोर्टल पर ई-नीलामी की गई तो एक साल से कुछ ही अधिक समय में नई सरकार बनने के बाद के जनवरी, 25 तक 15 ब्लॉकों सहित 15 जोड़ 33 ब्लॉक कुल 48 मेजर मिनरल ब्लॉकों की सफल नीलामी कर नया इतिहास रच दिया गया। राज्य सरकार की उपलब्धि को केन्द्र सरकार द्वारा भी सराहा गया और इसी 20 जनवरी, 25 को ओडिशा के कोणार्क में आयोजित नेशनल मांइस मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेंस में वर्ष 2023-24 में देश में सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन करने पर राजस्थान को प्रथम पुरस्कार देकर राजस्थान के प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। जिस तरह के आंकड़ें भारत सरकार के पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे हैं उससे साफ हो जाता है कि वर्ष 2024-25 में भी राजस्थान मेजर मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी में समूचे देश में शीर्ष पर रहेगा।

देश दुनिया में माइनिंग सेक्टर की जो इमेज रही है उसे देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खान मंत्रालय की जिम्मेदारी अपने पास रखी और कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में पिछले एक साल में माइनिंग सेक्टर ने खनिज खोज से लेकर माइनर एवं मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे, एकबारीय समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, माइनिंग सेक्टर में औद्योगिक निवेश और रोजगार के विपुल अवसर सृजित करने के अवसर विकसित कर दिए हैं। 2017 में केन्द्र सरकार ने तय किया कि देश में सभी जगह माइनिंग मिनरल्स की खुले ऑक्शन के माध्यम से ही दिए जाएंगे। इससे बहुत हद तक माइनिंग मिनरल्स की बंदर बांट पर रोक लग सकी। केन्द्र सरकार ने मेजर मिनरल्स के ऑक्शन की स्वयं के स्तर पर भी मोनेटरिंग आरंभ कर व्यवस्था को पारदर्शी और खनिज प्रधान प्रमुख राज्यों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा की राह प्रशस्त की है। इसे देश के खनिज क्षेत्र का अग्रणी कदम माना जा सकता है।

राजस्थान खनिजों की दृष्टि से समृद्ध प्रदेश हैं। राज्य में उपलब्ध 82 प्रकार के खनिजों में से राज्य में 57 खनिजों का व्यवसायिक स्तर पर खनन किया जा रहा है, जिससे वर्तमान में लगभग 35 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार ने एक बात साफ समझी है कि बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन पर अंकुश लगाने का सबसे कारगर तरीका खनिज क्षेत्रों के ब्लॉक या प्लॉट तैयार कर इन्हें पारदर्शी से तरीके से ई पोर्टल के माध्यम से नीलाम किया जाए। इससे अवैध खनन का एक कारण पर तो रोक लग ही सकती है। क्योंकि खानधारक अपने क्षेत्र में तो दूसरे को अवैध खनन गतिविधि नहीं चलाने देगा। इससे बहुत हद तक बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन को रोका जा सकता है। वैध खननधारक पर भी अवैध खनन गतिविधियों के लिए अब राज्य सरकार ड्रोन से एसेसमेंट अनिवार्य करने जा रही है। इसी तरह के अन्य सुधारात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। ऐसे में राजस्थान ही नहीं देश के खनिज प्रधान अन्य राज्यों की सरकारों को भी एग्रेसिव कदम उठाने होंगे ताकि देश की खनिज संपदा के अवैध खनन से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। इसके साथ ही वैध खनन और सस्टेनेबल माइनिंग पर जोर देकर खनिज संपदा का बेहतर दोहन हो सके।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

नशा कारोबार पर डीसीपी स्कॉट की बड़ी कार्रवाई

मादक पदार्थ के साथ चार लोग गिरफ्तार

चेतन निर्मल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए डीसीपी स्कॉट की नशा विरोधी पथक ने बड़ी कार्रवाई की है। तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में छापेमारी करते हुए पुलिस ने 18 किलो गांजा, 10 ग्राम चरस और 24 ग्राम एमडी पावडर बरामद किया है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जो मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त थे।

पहली कार्रवाई डोंबिवली क्षेत्र में की गई, जहां पुलिस ने एक आरोपी से 9.480 किलो गांजा जब्त किया, जिसकी अनुमानित

कीमत 1 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी नशे के कारोबार में लिप्त था और इसे बेचने की फिराक में था। दूसरी कार्रवाई डोंबिवली रेलवे स्टेशन परिसर में की गई, जहां पुलिस ने 10 ग्राम चरस और 24 ग्राम एमडी पावडर के साथ एक और आरोपी को गिरफ्तार किया।

तीसरी कार्रवाई एक अन्य थाना क्षेत्र में की गई, जहां पुलिस ने 9 किलो गांजा बरामद किया। इस मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया, जो नशे के अवैध कारोबार से जुड़े थे। कुल मिलाकर पुलिस ने 18 किलो गांजा, 10 ग्राम चरस और 24 ग्राम एमडी पावडर जब्त किया है, जिसकी कुल कीमत लाखों में आंकी जा रही है। डीसीपी स्कॉट के अनुसार, पुलिस द्वारा पिछले महीने से लगातार नशे के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान 11 बड़े मामलों में कार्रवाई करते हुए अब तक 232 किलो गांजा और 12 लाख रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए जा चुके हैं।

इस कार्रवाई में डीसीपी जोन-3, एसीपी, स्थानीय पुलिस स्टेशन की टीम और नशा विरोधी पथक की विशेष भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि शहर में नशे के अवैध कारोबार को पूरी तरह खत्म करने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

रविवार 9 फरवरी को माताजी की विशाल चौकी का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के अंधेरी पूर्व मरोल नाका स्थित वीर अब्दुल रशीद मैदान में रविवार 9 फरवरी को जय मां शेरावाली समिति की ओर से माताजी की विशाल चौकी का आयोजन किया गया है।

समिति के अध्यक्ष अनुज शर्मा और ममता शर्मा ने बताया कि 9 फरवरी को शाम 5 बजे दीप प्रज्वलन के साथ चौकी की शुरूआत की जायेगी,जिसमें विनय शर्मा ग्रुप द्वारा माताजी के भजन के साथ माताजी की अलौकिक झाकियां प्रस्तुत की जाएगी।

इस कार्यक्रम में स्थानीय भाजपा विधायक मूरजी पटेल समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे, कार्यक्रम का समापन रात 10 बजे महाप्रसाद के साथ होगा। शर्मा ने सभी देवी भक्तों से माता की चौकी में शामिल होने का अनुरोध किया है।

38वें नेशनल गेम्स में महाराष्ट्र को खो खो में मिला डबल गोल्ड

मुंबई। महाराष्ट्र ने 38वें नेशनल गेम्स 2025 में मैन्स एवं वुमेन्स दोनों श्रेणियों में खो-खो में दो गोल्ड मैडल जीते हैं। पिछले सप्ताह आयोजित फाइनल मैच में महाराष्ट्र ने उड़ीसा को हरा दिया। मैन्स फाइनल में महाराष्ट्र ने 32-26 के स्कोर के साथ उड़ीसा को हरा और टॉप पॉज़िशन हासिल की। इसी तरह वुमेन्स फाइनल में भी महाराष्ट्र ने 31-28 के स्कोर के साथ उड़ीसा को हराया। इस शानदार जीत के साथ महाराष्ट्र ने नेशनल गेम्स 2025 में खो-खो में दो गोल्ड अपने नाम कर लिए। गजानन मारूति शेंगल ने मैन्स टीम का नेतृत्व किया, वहीं संपदा लाहु वुमेन्स टीम की कैप्टन थीं। प्रतीक वैकर और प्रियंका इंगल, जिन्होंने खो-खो वर्ल्ड कप 2025 कप में भारत की कप्तानी की थी, वे भी महाराष्ट्र टीम का हिस्सा थे। उड़ीसा ने भी जबरदस्त जोश और दृढ़ इरादे का प्रदर्शन किया तथा नेशनल गेम्स के पिछले संस्करण के परफोर्मेन्स को दोहराते हुए मैन्स एवं वुमेन्स दोनों टूनार्मेन्ट्स में सिल्वर मैडल जीते। ब्रॉन्ज मैडल के लिए भी ऐसा ही उतह देखने को मिला, जहां मैन्स और वुमेन्स, दोनों के प्रतिभागी सडन डैथ राउण्ड तक पहुंचे (जहां हर टीम को स्कोर करने के लिए अतिरिक्त बारी मिलती है)। मैन्स कैटेगरी में पश्चिम बंगाल और केरल दोनों ने कड़े मुकाबले के बाद ब्रान्ज मैडल जीता। इसी तरह वुमेन्स कैटेगरी में दिल्ली और कर्नाटक के बीच भी टाई रहा। दोनों टीमों ने ब्रान्ज मैडल जीता। उत्तराखण्ड में नेशनल गेम्स 2025 में खो-खो के दौरान शानदार फुर्ती, टीमवर्क और खेल भावना देखने को मिली। जिससे राष्ट्रीय मंच पर इस स्वदेशी खेल की प्रतिष्ठा और बढ़ गई है।

सरोवर होटल्स की महाराष्ट्र में विस्तार योजना

मुंबई। सरोवर होटल्स ने हाईलैंड कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में सिंधुदुर्ग में हाईलैंड सरोवर पोर्टिको के लॉन्च की घोषणा की है। इस नए होटल के साथ कंपनी ने महाराष्ट्र के खूबसूरत तटीय क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को और मजबूत किया है। कोंकण क्षेत्र के हृदय में स्थित यह होटल प्रकृति प्रेमियों और शांति की तलाश करने वालों के लिए एक आदर्श स्थान है। सिंधुदुर्ग अपनी स्वच्छ समुद्र तटों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्वादिष्ट मालवणी भोजन के लिए प्रसिद्ध है। चिपी हवाई अड्डा यहां से महज 12 किलोमीटर की दूरी पर है, जबकि कुडाल रेलवे स्टेशन 20 किलोमीटर दूर स्थित है, जिससे यह होटल यात्रा के लिहाज से भी सुविधाजनक बन जाता है। हाईलैंड सरोवर पोर्टिको को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह मेहमानों को न केवल आरामदायक अनुभव प्रदान करता है, बल्कि उन्हें कोंकण की पारंपरिक झलक भी देखने को मिलती है। इस होटल में कुल 50 कमरे हैं, जिनमें से कुछ डीलक्स श्रेणी के हैं, जिनमें निजी बालकनी की सुविधा दी गई है, वहीं कुछ प्रीमियम कमरों से समुद्र का शानदार नजारा दिखता है। होटल में ह्यफ्लेवर्सह्ल नामक एक रेस्टोरेंट भी है, जो पूरे दिन खुला रहता है। यहां मेहमान पारंपरिक मालवणी व्यंजनों और ताजा सी फूड का आनंद उठा सकते हैं, जो अपने प्रामाणिक स्वाद के लिए मशहूर हैं। इसके अलावा, होटल में स्विमिंग पूल और वेलनेस सुविधाएं भी मौजूद हैं, जो इसे और भी खास बनाती हैं। जो लोग प्रकृति के करीब रहकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं और कोंकण की सुंदरता को नजदीक से देखना चाहते हैं, उनके लिए हाईलैंड सरोवर पोर्टिको एक बेहतरीन विकल्प साबित होगा। अजय के. बाकया, चेयरमैन, सरोवर होटल्स और डायरेक्टर, लॉवर होटल्स इंडिया ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हाईलैंड कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर सिंधुदुर्ग में हाईलैंड सरोवर पोर्टिको की शुरूआत करना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि कोंकण क्षेत्र तेजी से एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है और यह होटल दशार्ता है कि सरोवर होटल्स बेहतरीन लोकेशन पर उच्च स्तरीय आतिथ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह समर्पित है। इस खूबसूरत स्थान, स्थानीय संस्कृति की झलक और गर्मजोशी से भरे स्वागत के साथ, उनका उद्देश्य है कि हर मेहमान को यहां एक यादगार और शानदार अनुभव मिले।

वैलेंटाइन्स डे पर प्यार और सेहत का अनोखा तोहफा: इस बार दीजिये कैलिफोर्निया आमंड्स!

मुंबई/पटना। भारत में वैलेंटाइन्स डे को प्यार और अपने प्रियजनों की देखभाल का प्रतीक माना जाता है। इस खास दिन पर अगर आप कोई ऐसा उपहार देना चाहते हैं, जो आपकी भावनाओं के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य का भी ख्याल रखे, तो कैलिफोर्निया आमंड्स से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यह न सिर्फ स्वादिष्ट और कुरकुरे होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इन बादामों में मौजूद पोषक तत्व न केवल संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, बल्कि यह दशार्ते भी हैं कि आप अपने अपनों की सेहत की कितनी परवाह करते हैं।

कैलिफोर्निया आमंड्स में 15 जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जिनमें विटामिन ई, मैग्नीशियम, डाइटरी फाइबर, सेहतमंद फैट्स और प्रोटीन शामिल हैं। इन्हें किंग ऑफ नट्स भी कहा जाता है, क्योंकि यह शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं। रोजाना थोड़ी मात्रा में बादाम का सेवन करने से दिल की सेहत को बढ़ावा मिलता है, वजन नियंत्रण में मदद मिलती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। 200 से अधिक वैज्ञानिक अध्ययनों में साबित हो चुका है कि कैलिफोर्निया आमंड्स सेहत के लिए बेहतरीन विकल्प हैं।

झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व कांग्रेस नेता चन्द्रेश दुबे माँ कामाख्या के दरबार में

मुंबई (उत्तरशक्ति)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक .शिबू सोरेन के बेटे व झारखंड राज्य के तीसरी बार मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन के साथ कांग्रेस नेता चन्द्रेश ओमप्रकाश दुबे ने गत दिनों असम राज्य के गुवाहाटी में स्थित 52 शक्तिपीठों में से एक शक्ति की प्रमुख देवी 'त्रिपुर सुंदरी' माँ कामाख्या देवी जी के दरबार में मत्था टेक उनका आशीर्वाद ग्रहण किया।

10 से 28 फरवरी तक चलाया जायेगा हांथी रोग निवारण अभियान

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के दहानू, तलासरी, विक्रमगढ़ व दहानू नगरपरिषद क्षेत्र में राष्ट्रीय हांथी रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत हांथी रोग (फाइलेरिया) निवारण हेतु डी.इ.सी. व अल्बेंडाजोल टेबलेट का सामुदायिक चिकित्सा अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान के तहत करीब 820852 लोगों को उक्त टैबलेट को खिलाई जायेगी।यह जानकारी जिला हिवताप अधिकारी अश्विनी राय द्वारा दी गई है।

इस अभियान का शुभारंभ सोमवार 10 फरवरी 2025 को पालघर जिले के दहानू स्थित के.एल. पोंदा हाईस्कूल में दहानू विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद निकोले की प्रमुख उपस्थिति में किया जायेगा। इस अभियान के दौरान दो वर्ष से बच्चों, गर्भवती महिलाओं व गंभीर रूप बीमार लोगों को छोड़ कर बाकी सभी लोगों को हांथी रोग से

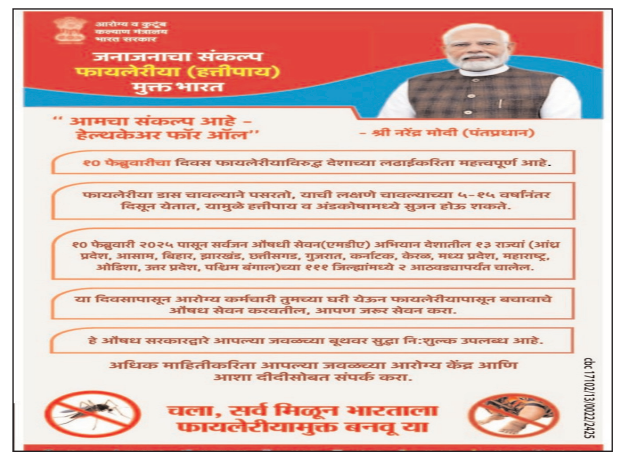

बचाव हेतु गोलियां खिलाई जायेंगी। जनवरी महीने में रात्र रक्त नमूने का सर्वेक्षण हेतु विशेष अभियान चलाया गया था। जिसमें 1800 रक्त नमूने लिए गए, उनमें से दहानू तहसील के वानगांव और तलसरी तहसील के काजली में 16 रक्त नमूने हांथी रोग से ग्रस्त पाये गये। जिसकी वजह से इस वर्ष सामुदायिक औषधोपचार अभियान चलाया जायेगा। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा दहानू, तलासरी, विक्रमगढ़ व दहानू नगरपरिषद क्षेत्र के सभी लोगों से हाथी रोग से बचाव हेतु गोलियां खाने की अपील की गई है। पालघर जिले में पहले से ही लगभग 620 लोग हांथी रोग से पीड़ित हैं। इस रोग से जो व्यक्ति एक बार ग्रसित हो जाता है वह पूर्ण रूप से रोग मुक्त नहीं हो पाता है। इसलिए गोलियों का सेवन करना अतिआवश्यक है, इसके लिए जिला प्रशासन इस अभियान को सफल बनाने हेतु प्रयत्नशील है। हांथी रोग से अपंग हुए 235 रोगियों को जनवरी महीने में अपंगता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। 2024 में कुल 130 लोगों का अंडवृद्धि शस्त्रक्रिया कर हांथी रोगियों को दिलासा दिया गया है।इसके लिए पुराने सभी हांथी रोगियों को पैर की स्वच्छता व आरोग्य रखने के लिए हांथी रोग प्रबंधन किट दिया गया है। सन 2015 से अब तक 108 हांथी रोग रात्र रक्त नमूने लेकर हांथी रोगियों की जांच कर औषधोपचार करके हांथी रोग से मुक्त किया गया है। उक्त आशय की जानकारी अश्वनी राव ने दी।

भारत के उद्योगरत्न: रतनजी टाटा का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई। भारत के उद्योग जगत के रत्न के रूप में दुनिया भर में ख्याति अर्जित करने वाले दिवंगत उद्योगपति रतनजी टाटा का जन्मदिन गत दिनों इंडिया मीडिया लिंक एंड मैनेजमेंट की ओर से माटुंगा मुंबई में मनाया गया। इस दौरान रतनजी टाटा की सेल्फी के उद्घाटन समारोह को देखने के दौरान मौजूद प्रशंसकों को सचमुच रतन टाटा के धरती पर वापस आने का एहसास हुआ।दिनभर चले इस कार्यक्रम में देश भर से आए हुए गणमान्य व्यक्तियों,उद्योग एवं सामाजिक ,चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले गणमान्य व्यक्तियों को आकर्षक सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। बॉलीवुड के जाने माने और समाजसेवी के. रवि दादा ने सभी गणमान्य लोगों का का सम्मान किया। यह भव्य कार्यक्रम माटुंगा के सांस्कृतिक हॉल में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा के भव्य तैलचित्र का उद्घाटन के. रवि दादा, डॉ. रत्नाकर अहिरे और सिनेमा के क्षेत्र की जानी-मानी अभिनेत्री माही शर्मा, होनी भल्ला के सौजन्य से हुआ। इससे पहले मुंबईकरों ने जेजे अस्पताल की विशेषज्ञ टीम की ओर से रक्तदान शिविर में हिस्सा लिया। इस अवसर पर कुमारी स्वप्नाली यादव, सत्यवान रेडकर, अभिजीत सोनवणे, फैजुला खान, डॉ. एसएस शास्त्री को सम्मानित किया गया था। दिवंगत रतन टाटा गौरव पुरस्कार पाने वाले गणमान्य व्यक्तियों ने भारतीय उद्योग जगत के रत्न स्वर्गीय रतन टाटा का जन्मदिन लगातार आठवीं बार मनाने के लिए इंडिया मीडिया लिंक एंड इवेंट मैनेजमेंट के प्रबंध निदेशक के रवि दादा की प्रशंसा की। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता के. रवि दादा ने कहा कि मैं रतन टाटा से कई बार मिला। रवि दादा ने उनसे उनके जन्मदिन मनाने के बारे में पूछा लेकिन उन्होंने जिद पकड़ ली कि हम जन्मदिन नहीं मनाएंगे। बल्कि देशवासियों की ओर से आपका जन्मदिन और आपके काम का जश्न मनाएंगे।

रिटेल कारोबार का विस्तार करेगी मिला ब्यूटी

मुंबई। भारत में त्वचा के अनुकूल सौंदर्य प्रसाधन बनाने वाली कंपनी मिला ब्यूटी ने सौंदर्य और कॉस्मेटिक्स उद्योग में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए 2025 में रिटेल कारोबार के विस्तार की योजना बनाई है। यह ब्रांड पहले ही 300 से अधिक शहरों में 11,500 से ज्यादा रिटेल स्टोर्स के जरिए ग्राहकों तक पहुंच बना चुका है और अब इसका लक्ष्य टियर-2 और टियर-3 शहरों में अपनी पकड़ और मजबूत करना है, ताकि लाखों ग्राहकों को किफायती और प्रीमियम सौंदर्य उत्पाद आसानी से उपलब्ध कराए जा सकें। मिला ब्यूटी अपने सफल रिटेल मॉडल को और विकसित कर उन बाजारों में विस्तार करेगी, जहां ग्राहक मेकअप और सौंदर्य प्रसाधन खरीदने के लिए पारंपरिक दुकानों पर निर्भर हैं। इस रणनीति के तहत ब्रांड को ऐसे स्थानों पर अधिक उपस्थिति मिलेगी, जहां ग्राहक खरीदने से पहले उत्पादों को आजमा सकें। भारत में बढ़ते मध्यमवर्गीय परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह कंपनी हाइपर लोकल स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी और किफायती, उच्च गुणवत्ता वाले सौंदर्य प्रसाधनों के बाजार में एक महत्वपूर्ण अंतर को भरने का काम करेगी।

मिला ब्यूटी के को-फाउंडर और एमडी साहिल नायर का कहना है कि उनका लक्ष्य ऐसा ब्रांड बनाना है, जिससे हर भारतीय खुद को जोड़ सके, चाहे वह देश के किसी भी हिस्से में रहता हो। 2025 की इस विस्तार योजना के जरिए वे यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि छोटे शहरों में रहने वाले ग्राहकों को भी उतने ही प्रीमियम और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद मिलें, जितने बड़े शहरों में उपलब्ध हैं। उनके लिए यह सिर्फ.एक व्यावसायिक कदम नहीं, बल्कि सौंदर्य प्रसाधनों को सभी के लिए सुलभ और अनुभवात्मक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। पिछले कुछ वर्षों में मिला ब्यूटी ने पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। अब यह ब्रांड दक्षिण भारत में भी अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए तैयार है, साथ ही पूर्वी और उत्तर-पूर्वी बाजारों में अपनी पहुंच बना रहा है।

सौंदर्य उत्पादों की बढ़ती मांग और ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं को देखते हुए इस क्षेत्र में विकास की बड़ी संभावनाएं हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, मिला ब्यूटी अपने खुदरा नेटवर्क का विस्तार कर रही है और स्थानीय मौसम व त्वचा के अनुसार अनुकूलित उत्पाद पेश करने की योजना पर काम कर रही है।

चांदीवली के जरीमरी स्थित सेवक नगर में बढ़ती हुई गंदगी से बीमारियों का प्रकोप बढ़ने की संभावना

दत्तक बस्तियों पर निष्क्रियता का आरोप

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एक तरफ संपूर्ण देश में केंद्र तथा राज्य सरकारों की ओर से स्वच्छ भारत अभियान लंबे समय से चलाया जा रहा है वहीं देश के जाने माने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस की सुरक्षा दीवार से सटी जरीमरी के सेवक नगर में बढ़ती हुई गंदगी और कचरे के ढेर से स्थानीय नागरिक त्रस्त हैं। उसके बाद भी वार्ड क्रमांक १६२ में साफ सफाई के लिए नियुक्त दत्तक बस्तियों द्वारा यहां के गटर और गलियों की साफ सफाई न किए जाने से बीमारी फैलने की संभावना बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों की कुर्ला एल वार्ड के संबंधित अधिकारी से शिकायत किए जाने के बाद भी मनपा साफ सफाई को लेकर गंभीर नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चांदीवली विधानसभा के अंतर्गत आने वाली जरीमरी की सेवक नगर झोपड़पट्टी में आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है इस कारण नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।बताया जाता है कि पिछले दो साल से मुंबई मनपा प्रशासक के अधीन चलाई जा रही है। इस

कारण मुंबई के पूर्वी और पश्चिम उपनगर की झोपड़पट्टियों में गंदगी की समस्या बढ़ती जा रही है। ठीक इसी तरह जरीमरी के सेवक नगर, परेरा चाल में शौचालय और गटर की साफ सफाई न किए जाने से नागरिक त्रस्त हैं। इस झोपड़पट्टी में व्याप्त गंदगी और अन्य समस्याओं का जायजा लेने पहुंचे पूर्व नगरसेवक तथा शिवसेना उपविभाग प्रमुख डॉ एस अन्नामलाई ने बताया कि वार्ड क्रमांक १६२ में साफ सफाई के लिए नियुक्त दत्तक बस्ती संस्थाओं द्वारा कम मजदूरों के बल पर यहां की साफ सफाई कराई जाती है। जबकि एक दत्तक बस्ती के अधीन१६ से १७ मजदूरों को रखा जाना चाहिए। इसके अलावा दत्तक बस्तियों की ओर से घर घर से कचरा लेने का भी प्रावधान है किंतु यहां नियुक्त दत्तक बस्तियों द्वारा सेवक नगर, परेरा चाल में शौचालय और गटर की साफ सफाई न किए जाने से बीमारी फैलने की संभावना बढ़ गई है। जिसके कारण डॉक्टर एस. अन्नामलाई ने सेवक नगर में साफ सफाई के लिए नियुक्त दत्तक बस्ती संस्थाओं को ब्लैक लिस्टेड किए जाने की मांग की है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

कुष्ठ से विकलांग हुए लोगों की होती है निःशुल्क सर्जरीः डॉ.प्रभात कुमार

12 हजार रुपए की धनराशि दी जाती है, रहने और खाने की व्यवस्था मुफ्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में जनपद में 30 जनवरी से 13 फरवरी तक कुष्ठ जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ0 प्रभात कुमार ने गुरुवार को बदलापुर, नौपेड़वां, बख्शा आदि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का दौरा किया। जहां पर सभी आशा कार्यकर्ता, आशा संगिनी और डाक्टर लोग उपस्थित मिले। उन्होंने इन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से कुष्ठ रोग की समाज में स्थिति, कुष्ठ रोग के प्रति लोगों के मन में भ्रांतियां, उन भ्रांतियों को कैसे दूर किया जाए, भ्रांतियां दूर करने के लिए किन-किन उपायों को अपनाया जाए सहित कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही रोग की सही जानकारी होने। संकोच न करने और जल्द से जल्द जांच कराकर इलाज शुरू करा देने के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने का निर्णय लिया।बख्शा ब्लाक के पंचायत भवन पर उन्होंने ब्लाक क्षेत्र के प्रधानों से मुलाकात कर उन्हें जागरूक किया। उन्होंने बताया कि आप समाज के महत्वपूर्ण अंग हैं। आपकी कही बातों पर गांव वाले आसानी से अमल कर लेते हैं। उन्हें बताया कि कुष्ठ रोग के बारे में सही जानकारी होना। समय से इलाज हो जाना हमारे अभियान का प्रमुख हिस्सा है। लोग जागरूक रहें और समय से इलाज करा लें। जो लोग कुष्ठ रोग के कारण विकलांग हुए हैं, उनके लिए शासन ने राकेस्ट्राटिव सर्जरी की व्यवस्था की है। यह सर्जरी प्रयागराज जिले के नैनी तथा अयोध्या में उपलब्ध है। यह सर्जरी पूर्णतया निः शुल्क की जाती है और संबंधित मरीज को 12 हजार रुपए की धनराशि भी मिलती है। इतना ही नहीं रहने और खाने की व्यवस्था मुफ्त में रहती है। वहीं समाज कल्याण विभाग की ओर से कुष्ठ रोग से विकलांग हो चुके लोगों को तीन हजार रुपए पेंशन की व्यवस्था की जाती है।

सिपाही ने कोतवाली को बनाया पिकनिक स्पॉट

बिना हेलमेट थाने में बनाया रील्स, जाँच का आदेश

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जहां एक फरियादी को थाने में एफआईआर की कॉपी लेने के लिए नाकों चने चबाना पड़ता है। बिना हेलमेट के तुरंत चालान कट जाता है ।और तो और जौनपुर पुलिस पुलिस कप्तान डाक्टर कौस्तुभ कुमार की अगुवाई में सड़क सुरक्षा सप्ताह मना कर नागरिकों को जागरूक कर रहा है ।मगर कप्तान साहब अपने विभाग को नहीं जागरूक कर पा रहे हैं। मामला जौनपुर जनपद के कोतवाली शाहगंज का है। जहां एक सिपाही जितेंद्र पांडेय खुलेआम कोतवाली परिसर को पिकनिक स्पॉट या यू कहिए की स्टुडियो बनाकर बुलेट पर बिना हेलमेट के एक अन्य सिपाही के साथ बुलेट पर सवार कर एक वायरल वीडियो में थाने का गोल गोल चक्कर लगाते दिख रहा है ।जिसके बैक ग्राउंड में दंगल फिल्म का एक गाना बज रहा है। उक्त सिपाही को रील बनाने का ऐसा बुखार चढ़ा की थाना जो एक न्याय का मंदिर कहा जाता है। उसे ही अपने मनोरंजन का साधन बनाते हुए सीधे योगी सरकार को चुनौती दे दी कि इस थाने में हमारी सरकार चलती है। शोसल मीडिया पर जब उक्त सिपाही का रील वायरल होने लगा तो जौनपुर पुलिस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर आकर सार्वजनिक रूप से मामले की जांच कर कार्यवाही का निर्देश दिया। मगर आमलोक बाग का कहना है की उक्त सिपाही अपनी मनमानी करेगा, इस पर किसी जांच की कोई आंच नहीं आने वाली।

अच्छी नौकरी के लिए करें परिश्रमः विवेक कुमार

मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के क्रियान्वयन हेतु जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में शुक्रवार को मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना उच्च शिक्षा के क्रियान्वयन हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय के निदेशक केंद्रीय शिक्षुता सलाहकार विवेक कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना विद्यार्थियों को कुशल बनाने के लिए भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। उत्तर प्रदेश सरकार भी इसके सफलता के लिए प्रयासरत है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (उच्च शिक्षा), उत्तर प्रदेश सरकार के उद्देश्यों पर चर्चा की, इसके साथ ही अपरेंटिसशिप अधिनियम के विविध आयामों पर प्रकाश डाला.उन्होंने कहा कि सभी लोग नौकरी चाहते है पर नौकरी के लिए जो तैयारी है वह नहीं करते ।जब तक परिश्रम से किसी कार्य को नहीं सीखते तब तक आपको एक अच्छी नौकरी नहीं मिल सकती। सरकार का यह प्रयास है कि पढाई के साथ कैसे आपको रोजगार मिले ।उन्होंने शिक्षुता के लिए आवेदन करने की पूरी प्रक्रिया समझाई। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि अपने व्यवहार से आप शिक्षा जगत में आगे बढ़ सकते है। सरकार द्वारा चलाए गए योजनाओं से हमें जुड़ना चाहिए ।हमारे विद्यार्थी इस योजना से जुड़ेंगे तो निश्चित रूप से उन्हें लैब मिलेगा। परीक्षा नियंत्रण डॉ विनोद कुमार सिंह ने कहा कि सबसे पहले हमें वर्तमान समय के साथ चलना चाहिए। भूत से आप सीखिए और भविष्य के लिए सोचे। उन्होंने कहा कि कुछ पाने के लिए कुछ खोना नहीं करना पड़ेगा। वित्त अधिकारी प्रो अजय प्रताप सिंह ने कहा विश्व के कई देशों में शिक्षुता योजना चलाई जा रही है जिसके सकारात्मक परिणाम मिले है। कार्यक्रम के उद्देश्यों पर ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने प्रकाश डाला ।संचालन डॉ नितेश जायसवाल ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो.राघवेंद्र पाण्डेय, डॉ.कर्मचन्द यादव, डॉ.गंगेश दीक्षित, डॉ.नीलेश सिंह, श्याम त्रिपाठी सहित विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

रोहनिया विधायक ने दर्जनों लोगों को ग्रहण कराया अपना दल एस की सदस्यता

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के कनेरी मोहनसराय स्थित अपना दल एस जिला कार्यालय पर शुक्रवार को आयोजित पार्टी की जिला स्तरीय मासिक बैठक के दौरान रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने अजगरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कृष्णापुर कला के ग्राम प्रधान पंकज वर्मा की अध्यक्षता में पंकज वर्मा के भाई विकाश वर्मा सहित दर्जनों लोगों को माला एवं पार्टी का पट्टा पहनाकर अपना दल एस की सदस्यता ग्रहण कराया। उक्त अवसर पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष डॉ नरेंद्र पटेल ,राष्ट्रीय सचिव अजीत पटेल, प्रदेश सचिव व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर महेंद्र पटेल, प्रदेश सचिव शरद यादव, प्रदेश सचिव अनीता पटेल, शिवलोचन पटेल मन्नू पूर्व जिला पंचायत सदस्य, अजगरा विधानसभा अध्यक्ष हंसराज गौड़, जिला अध्यक्ष महिला मंच दुर्गावती पटेल सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

तमंचे के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये गये सघन अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), शैलेन्द्र सिंह के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी मछलीशहर, परमानन्द कुशवाहा के कुशल पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष मीरगंज के मार्गदर्शन मे उ0नि0 शमीम अहमद खां मय हमराह के साथ जंघई रेलवे स्टेशन तिराहे पर चेकिंग मे मामूर थे कि मुखबिर खास कि सूचना पर दिनांक-06.02.2025 को जंघई रेलवे स्टेशन फाटक के पास से अभियुक्त आकाश सरोज पुत्र राजेन्द्र सरोज निवासी तिलौरा थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर को एक तमंचे व जिन्दा कारतूस के साथ पुलिस हिरासत मे लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मदरसा शिक्षा बोर्ड की परीक्षा 17 से 14 फरवरी तक, ऑनलाइन प्रवेश पत्र ले लें छात्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अनीता ने अवगत कराया है कि रजिस्ट्रार/निरीक्षक उ0प्र0 मदरसा शिक्षा परिषद 704, जवाहर भवन लखनऊ के द्वारा संचालित वार्षिक परीक्षा वर्ष-2025 के मुंशी/मौलवी एवं आलिम, की परीक्षाएं निर्गत समय-सारणी के अनुसार 17 फरवरी 2025 से 22 फरवरी 2025 के मध्य संचालित होने वाली दोनों पालियों के समस्त मुंशी/मौलवी एवं आलिम स्तर की मान्यता प्राप्त मदरसों एवं छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि परीक्षा वर्ष 2025 के परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र, डेस्क स्लिप एवं उपस्थिति पत्रक मदरसा पोर्टल पर ऑनलाइन जारी कर दिये गये हैं ।मदरसों द्वारा अपने लॉग इन से प्रवेश पत्र डाउनलोड करते हुये मदरसा प्रधानाचार्य द्वारा अपने हस्ताक्षरोंपरान्त सम्बन्धित परीक्षार्थियों को उपलब्ध कराये जाय तथा डेस्क स्लिप एवं उपस्थित पत्रक परीक्षा केन्द्र की लागिन https://madarsaboard.upsdc.gov.in पर उपलब्ध है। जिसको परीक्षा केन्द्र द्वारा स्वयं डाउनलोड कर लिया जाय तथा परीक्षा केन्द्र द्वारा अपनी लॉग इन से परीक्षा पाली की समाप्ति के उपरान्त मदरसा पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज की जायेगी परीक्षा केन्द्रों का प्रारम्भिक पासवर्ड उपलब्ध करा दिया गया है जिसको केन्द्र व्यवस्थापक तत्काल अपडेट कर ले ।उपरोक्त के क्रम में समस्त प्रबन्धक/प्रधानाचार्य/लिपिक 14 फरवरी 2025 से पूर्व सम्बन्धित मदरसे परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर ससमय वितरित कर दें।

महाकुंभ से लौट रही कार 20 फिट गहरे गड्ढे में गिरी, पांच घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के जैतपुरा गांव के समीप स्थित जोगीबीरबाबा मंदिर के पास शुक्रवार की भोर में प्रयागराज से महाकुम्भ से लौट रही कार सड़क के नीचे 20 फिट गहरे गड्ढे में गिर गयी, कार में सवार पांच लोग घायल हो गए। फिलहाल किसी की चोट गम्भीर नही बतायी जा रही है। जलालपुर क्षेत्र के दलपतपट्टी गांव के निवासी डॉ एस के यादव महाकुंभ स्नान करके परिवार के साथ कार से घर आ रहे थे ।वे खुद कार चला रहे थे ।बताया जाता है उनको ऊक्त स्थान पर झपकी आ गयी। झपकी आते ही कार जोगीबीर बाबा पुल के अप्रोच सड़क से 20 फिट गहरे गड्ढे में गिर गयी ।जिससे कार में सवार सभी पांचों लोग घायल हो गए ।जब कार नीचे गयी तब वहां मौजूद एक व्यक्ति ने शोर मचाकर लोगों को बुलाया ।आनन फानन में भारी संख्या में स्थानीय लोग जमा हो गए ।उन लोगों ने घायलों के परिजन को सूचना दिया। परिजन तत्काल मौके पर आए और उन्हें निजी अस्पताल ले गए। जहां सभी का उपचार चल रहा है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में शंकराचार्य मार्ग पर पंडाल में लगी आग, शॉर्ट सर्किट की आशंका

प्रयागराज (उत्तरशक्ति) ।महाकुंभ मेले में आग लगने की एक और घटना सामने आई है। शंकराचार्य मार्ग पर बने एक पंडाल में भीषण आग लग गई,

जिससे हड़कंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास जारी है। सेक्टर 18-19 के बीच लगी भीषण आग जानकारी के मुताबिक, आग सेक्टर 18 और 19 के बीच के इलाके में लगी है। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्य किया जा रहा है।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार व्यक्ति की मौत

रियाजुल हक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बक्सा थाना क्षेत्र के उदरीसपुर ग्राम निवासी नागेंद्र कुमार शुक्ला 29 वर्ष पुत्र अयोध्या प्रसाद शुक्ला बृहस्पतिवार की शाम 5:00 बजे अपने घर से अपनी बाइक में पेट्रोल भरवाने के लिए फतेहगंज गए हुए थे। जैसे ही वह पेट्रोल भरवा कर अपने घर जा रहे थे। सामने से आ रही एक ट्रक ने फतेहगंज पेट्रोल टंकी के सामने से उसको टक्कर मार दिया जहां पर मौके पर उक्त व्यक्ति की मौत हो गई ।वही ट्रक ड्राइवर मौका देखकर ट्रक छोड़ कर भाग गया। बक्सा पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है स्थानिय लोगों ने घर पर उनके सूचना दिया मौके पर पहुंची बक्सा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम भेज दिया प्राप्त जानकारी के अनुसार नागेंद्र शुक्ला मुंबई में रहकर काम करता था चार भाइयों में सबसे छोटा नागेंद्र शुक्ला था। अभी 2 साल पहले इसकी शादी हुई थी मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया है। पत्नी और एक बच्ची का रो रो कर बुरा हाल है। आये दिन हो रहे हादसे, कोई रुल रेगुलेशन नहीं ट्रैफिक पुलिस रूट डायवर्ड कर दिन भर वसूली में रहती है मशगूल।

वैन की टक्कर से युवक की मौत, सड़क पार करते समय हुआ हादसा, चोलापुर में तेज रफ्तार का कहर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के चोलापुर थाना क्षेत्र के आयर बाजार में शुक्रवार को वैन की टक्कर से शिवरामपुर निवासी प्रदीप (26) की मौत

हो गई। प्रदीप सुबह आयर बाजार में कुछ सामान लेने के लिए गया था। वह सड़क पार कर रहा था कि सिंधौरा की तरफ से शहर की ओर तेज रफ्तार से जा रही मारुति वैन ने उसे टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि प्रदीप कई फीट दूर जा गिरा। वहीं चालक को स्थानीय लोगों ने पकड़ कर घर मे बंद कर दिया। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी समेत परिवार के सदस्यों का रो- रोकर बुरा हाल है।

रामपुर पुलिस ने शांति भंग में पांच व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराध एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के मार्गदर्शन व थानाध्यक्ष रामपुर के नेतृत्व में थाना रामपुर पुलिस टीम द्वारा पाँच व्यक्तियो को शांति व्यवस्था के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170 बीएनएस में पुलिस हिरासत में लिया गया तथा चालान अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है ।

भूपेंद्र सिंह की निर्मम हत्या के तीन आरोपी पुलिस हिरासत में

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के संदहां गांव में बुधवार देर रात भूपेंद्र सिंह (45) पुत्र जयशंकर सिंह की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हमलावरों ने लाठी-डंडों और शराब की बोतलों से हमला कर उनकी मौके पर ही जान ले ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भूपेंद्र सिंह गांव में आयोजित अखंड रामायण कार्यक्रम में भोजन करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के बाहर सुनसान स्थान पर घात लगाए कुछ हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण घटनास्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सरायख्वाजा थाना प्रभारी विनय कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन संदिग्ध युवकों को हिरासत में ले लिया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्या के पीछे के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और अन्य संभावित कारणों की जांच कर रही है। इस निर्मम हत्या से पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल व्याप्त है। पुलिस ने जल्द ही मामले का खुलासा करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

पीडीए समाज की एकता से ही बहुजन समाज का भविष्य सुरक्षितः राकेश मौर्य

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी जौनपुर की मासिक बैठक आज शुक्रवार को प्रातः 10 बजे सांसद जौनपुर कार्यालय शुक्ला ट्रांसपोर्ट की गली नईगंज में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक मे निर्धारित एजेंडों में पीडीए चर्चा कार्यक्रम और मतदाता सूची की जांचोपरांत रिपोर्ट पर गंभीरता से चर्चा कराई गई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि आज जिस तरह से संविधान और लोकतंत्र की हो रही है हत्या, संविधान की आड़ में तानाशाही लागू की जा रही है सभी संवैधानिक संस्थाओं अधिकारियों का राजनीतीकरण हो गया है। ऐसी परिस्थितियों में संविधान खतरे में है। इसलिए पीडीए समाज को एकजुट होकर ही संविधान, लोकतंत्र, आरक्षण की रक्षा करते हुए अपना भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं की निर्देश देते हुए कहा कि पीडीए चर्चा कार्यक्रम को जमीनी स्तर पर कामयाब बनाते हुए मतदाता सूची को अवलोकन कर ले ताकि समय से मतदाता सूची में नाम दर्ज कराया जा सके। इस अवसर पर बैठक को पूर्व विधायक श्रद्धा यादव, पूर्व मंत्री संगीता यादव, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, पूर्व प्रमुख जयंती यादव, सुशील दुबे, राजेश यादव, वरिष्ठ नेता दीपचंद राम, ज़िला उपाध्यक्ष गण श्याम बहादुर पाल, महेंद्र यादव, हीरालाल विश्वकर्मा, केशजीत, यादव, राजेंद्र यादव टाइगर, जिला सचिव गण कमलेश यादव, मनोज मौर्य, दीपक विश्वकर्मा, संजय यादव, रमेश साहनी, डॉ जंगबहादुर यादव, रमेश मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष गण, वीरेंद्र यादव, रामजतन यादव, सोचनराम विश्वकर्मा, महिला सभा की जिलाध्यक्ष शर्मिला यादव, लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष आनंद गुप्ता, सयुस के बदलापुर अध्यक्ष विवेक यादव, मंजय कन्नौजिया, रजनीश मिश्रा, चंद्रशेखर यादव, विवेक यादव आदि ने संबोधित किया। बैठक में ज़िला उपाध्यक्ष राहुल यादव, ज़िला कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष ऋषि यादव एडवोकेट, अल्पसंख्यक सभा की प्रदेश सचिव डॉ शबनम नाज, प्रदेश सचिव संजीव साहू, ज़िला सचिव गुलाब यादव, धीरज बिंद, अखंड प्रताप यादव, आर बी यादव, सोनी यादव, नीलम शर्मा, अनवारूल हक गुड्डू, मुनव्वर अली, धर्मेंद्र सोनकर, उमाशंकर चौरसिया, सोनी सेठ, दिलीप प्रजापति, संदीप बिंद, मीरा यादव सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे। बैठक का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में निःशुल्क टैबलेट/स्मार्ट फोन वितरण की अद्यतन प्रगति के सम्बन्ध में हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निःशुल्क टैबलेट/स्मार्ट फोन वितरण की अद्यतन प्रगति के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्वामी विवेकान्द युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत पिछले वर्ष के टैबलेट/स्मार्ट फोन को पात्र पंजीकृत छात्रों में शत-प्रतिशत वितरण नही कराये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि 07 दिन के भीतर सभी महाविद्यालयों में पात्र पंजीकृत छात्रों में टैबलेट/स्मार्ट फोन वितरण कराना सुनिश्चित किया जाए अन्यथा उनके मान्यता निरस्तीकरण करने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने निर्देशित किया कि अवशेष टैबलेट/स्मार्ट फोन वितरण के सम्बन्ध में सभी महाविद्यालयों के प्रबंधक और प्रधानाचार्यों की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण बैठक 10 फरवरी को पूर्वान्ह 11 बजे पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में आहूत की जाए। बैठक में प्रतिभाग न करने वाले महाविद्यालयो के विरुद्ध विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाएगी। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, वरिष्ठ कोषाधिकारी उमाशंकर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

23वीं ओलंपियन गुलजारा सिंह स्मृति में महिला व पुरुष क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन

बालक वर्ग में मनदीप यादव व बालिका वर्ग में सोनी को मिला प्रथम स्थान

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद रोहनिया के 23 वें ओलंपियन गुलजारा सिंह स्मृति में आयोजित क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता में कर्दमेश्वर इंटर कॉलेज पूर्वी से बालक वर्ग के 8 किलोमीटर दौड़ को प्रोफेसर गोपाल नाथ ने हरी झंडी दिखाया तथा लठिया बाईपास से बालिका वर्ग में अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी प्रियंका सिंह पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उक्त दोनों रेस का समापन देउरा दूधिया तलाब पंचकोशी मार्ग पर हुआ। जिसके दौरान मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि महेंद्र सिंह पटेल तथा विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष अपना दल एस डॉ नागेंद्र सिंह पटेल ने बालक वर्ग में मनदीप यादव अयोध्या प्रथम पुरस्कार, अभिषेक प्रजापति द्वितीय पुरस्कार, पवन कनौजिया तृतीय पुरस्कार, अजय बिंद कृष्ण कुमार बिंद, माता चरण बिंद तथा बालिका वर्ग में सोनी कुमारी प्रथम पुरस्कार, प्रीति पटेल द्वितीय पुरस्कार, लक्ष्मी मौर्य तृतीय पुरस्कार, साक्षी यादव, वर्षा मौर्य, छोटी इत्यादि विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया। निर्णायक मंडल में अर्जुन पटेल, रमेश सोनकर, रामदेव यादव, बच्चा लाल, गंगासागर, जितेंद्र कुमार, रामदास, राकेश, अवधेश, प्रशांत गुप्ता, अकादमी के अध्यक्ष प्यारेलाल सचिव डॉ विजय नारायण वर्मा इत्यादि लोग शामिल रहे।

एक लाख इनामिया विक्की गुप्ता गिरफ्तार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। बीते साल का चर्चित मामला यानी पांच लोगों के सामूहिक हत्याकांड मामले में भेलुपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। हत्या के आरोपी एक लाख के इनामी विशाल गुप्ता उर्फ विक्की को गिरफ्तार किया गया है। विशाल पर अपने चाचा समेत परिवार के पांच लोगों की हत्या का आरोप है। गिरफ्तारी को लेकर पुलिस आयुक्त दोपहर तीन बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिये विस्तृत जानकारी। भेलूपुर थाना क्षेत्र के भदैनी निवासी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता की पत्नी नीतू, बेटी गौरांगी और बेटों नमनेंद्र व सुबेंद्र का शव पांच नवंबर 2024 की सुबह उनके घर में मिला था। चारों की गोली मार कर हत्या की गई थी। राजेंद्र का शव रोहनिया थाना क्षेत्र के मीरापुर रामपुर स्थित उसके निमार्णाधीन मकान में मिला था। राजेंद्र की भी गोली मार कर हत्या की गई थी। पड़ताल के बाद पुलिस इस नतीजे पर पहुंची कि अपने मां-बाप की हत्या का बदला लेने के लिए विक्की ने पूरे परिवार को खत्म कर डाला। विक्की के मां-बाप की हत्या का आरोप राजेंद्र पर था। तमाम प्रयास के बाद पुलिस को विक्की को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। बता दें कि पुलिस ने विशाल गुप्ता के फरार होने के कारण उसके खिलाफ कोर्ट से कुर्की की कार्रवाई के लिए आदेश लेकर मारे गए राजेंद्र गुप्ता के घर पर कुर्की की नोटिस चस्पा कर दी थी। इसके अलावा, मोहल्ले में डुगडुगी भी पिटवाई गई थी, जिससे पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़ा हुआ था। वहीं घटना के बाद पीड़ित परिवार की अकेली बची राजेंद्र गुप्ता की बुजुर्ग मां शारदा देवी ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए निवेदन किया था कि पुलिस उनके मकान की कुर्की की कार्रवाई को रोकने के निर्देश दे।

शेखी बघारने वाले गाड़ियों से उतारे गए हूटर और काली फिल्म

5 गाड़ी से हूटर व 10 से गाड़ियों से उतारी गई काली फिल्म, 35 वाहनों का हुआ चालान

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन पर पुलीस टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। 5 गाड़ियों से हूटर और 10 गाड़ियों से काली फिल्म उतारी गयी। अभियान के दौरान कुल 35 वाहनों का चालान हुआ। जिससे वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय के नेतृत्व में कस्बा चौकी इंचार्ज मोहम्मद तारिक अंसारी और एसआई धर्मेंद्र कुमार सिंह ने शुक्रवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक नगर के मुख्य चौराहा व गुरैनी बाजार में संघन चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें पाँच चार पहिया वाहनों से हूटर और दस चार पहिया वाहनों से काली फिल्म उतारी गई तथा कुल 35 वाहनों का चालान किया गया। अन्य दर्जनों वाहनों से की तलाशी की गई। चेकिंग के दौरान वाहन चालको में हड़कंप मचा रहा।

लाकेट छीनने वाला गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं आपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 34/25 धारा 304(2) बीएनएस से संबंधित लाकेट छिनने वाले अभियुक्त प्रमोद कुमार सेठ पुत्र माता प्रसाद सेठ निवासी घमहापुर थाना जंसा जनपद वाराणसी को मुखबिर खास की सूचना पर शाही पुल जनपद जौनपुर के पास से दिनांक 05.02.2025 को समय करीब 21.38 बजे नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया, अभियुक्त के कब्जे से छीनी हुआ एक पीली धातु लाकेट बरामद किया गया, आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

कीटनाशक पदार्थ खाकर युवती ने दी जान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के खर्गसेनपुर गांव निवासी एक युवती की शुक्रवार की सुबह विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। उक्त गांव निवासी 21 वर्षीया प्रिया पुत्री हवलदार सिंह के पिता के अनुसार गुरुवार को गांव में शादी पड़ी हुई थी जिस कारण प्रिया नए कपड़े खरीदने की जिद्द कर रही थी। कपड़ा खरीदने से मना किया गया जिससे वह क्रोधित होकर कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर लिया, दो घंटे बाद तक दरवाजा नहीं खुला तो खोलने का प्रयास किया गया तो दरवाजा अन्दर से बंद मिला। अनहोनी होने का अंदेशा हुआ तो किसी तरह से दरवाजे को खोला गया तो पुत्री अचेतावस्था में पड़ी मिली, जिसके बाद उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। वह बीकाम फर्स्ट ईयर की छात्रा थी।

थानाध्यक्ष रवि शंकर त्रिपाठी ने किया विद्यालय प्रशासक मुन्ना शुक्ला से शिष्टाचार मुलाकात

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। एस जी पी जीआई थानाध्यक्ष रवि शंकर त्रिपाठी तथा वृंदावन चौकी इंचार्ज विकास तिवारी ने अपने सहयोगियों के साथ विद्यालय प्रशासक संतोष कुमार (मुन्ना शुक्ला) से शिष्टाचार मुलाकात किया। थानाध्यक्ष रवि शंकर त्रिपाठी ने बताया की शिक्षा के साथ-साथ संस्कार व्यक्ति के विकास में अत्यधिक सहायक होता है। उन्होंने आगे कहा की संस्कार किसी विद्यालय से नहीं बल्कि परिवार से ही मिलता है। मां शारदा देवी महाविद्यालय बाराबंकी के प्रशासक संतोष कुमार(मुन्ना शुक्ला)ने आए हुए सभी लोगों का यथोचित आदर और सम्मान किया इस अवसर पर शिक्षिका रश्मि शुक्ला , श्रीमती आरती शुक्ला, श्रीमती इंदु तिवारी ,श्रीमती चंदा तिवारी, श्रीमती किरन शुक्ला, श्रीमती सोनल शुक्ला ,श्रीमती सपना तिवारी ,निहारिका एवं रितेश शुक्ला आदि परिवार के लोग उपस्थित थे। पूर्व प्रधानाध्यापक गंगा प्रसाद तिवारी ने कहा कि मित्रता किसी भी संबंध से बढ़कर होती है। सभी लोगों के आने से परिवार में प्रसन्नता की लहर दौड़ पड़ी।

न्यूरोबियन ने नया अभियान 'सबसे बड़ा बी' शुरू किया

पटना (उत्तरशक्ति)। लगभग आधे भारतीय वयस्क विटामिन-बी की कमी के लक्षणों से पीड़ित हैं जिसमें झुनझुनी, सुन्नता और कमजोरी जैसे लक्षण शामिल हैं। यह कमजोर तंत्रिका स्वास्थ्य के कारण हो सकता है, जिसे पेरिफेरल न्यूरोपैथी के रूप में जाना जाता है। विशेष रूप से, ये सूक्ष्म लक्षण अक्सर पकड़ में नहीं आते हैं, जिसके परिणामस्वरूप लाखों लोग तंत्रिका क्षति के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। यदि ध्यान न दिया जाए, तो विटामिन-बी की कमी के गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जो दैनिक जीवन क्रियाओं, शारीरिक क्षमताओं और नींद की गुणवत्ता को काफी प्रभावित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अंततः तंत्रिका क्षतिग्रस्त और गतिशीलता में कमी आ जाती है। स्वस्थ तंत्रिकाओं को बनाए रखने के महत्व पर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से , तंत्रिका देखभाल ब्रांड न्यूरोबियन ने अपना नया अभियान - 'सबसे बड़ा बी' शुरू किया है। यह अभियान विटामिन बी के लाभों और तंत्रिका क्षति के शुरूआती लक्षणों के बारे में व्याप्त ज्ञान की कमी को पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की दिशा में एक अगला कदम है। महान अभिनेता श्री अमिताभ बच्चन, जिन्हें प्यार से 'बिग-बी' के नाम से भी जाना जाता है, के साथ यह अभियान सामान्य विटामिन-बी गोलियों के मुकाबले न्यूरोबियन की विटामिन-बी की गोलियों की तिगुनी ताकत को प्रदर्शित करता है। न्यूरोबियन फोर्टेविटामिन-बी की कमी और उसके लक्षणों को कम करने में मदद करता है। यह छह आवश्यक बी-विटामिन्स का शक्तिशाली मिश्रण है, जिसमें बी12, बी6 और बी3 शामिल हैं, जो तंत्रिका स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और इससे जुड़े लक्षणों जैसे झुनझुनी, सुन्नता और कमजोरी से राहत दिलाने में मदद करता है। पीएंडजी हेल्थ इंडिया के प्रबंध निदेशक मिलिंद थट्टे ने कहा, तंत्रिका देखभाल में भारत के अग्रणी कंपनी के रूप में न्यूरोबियन, तंत्रिका स्वास्थ्य क्षेत्र में विटामिन बी की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने, शुरूआती पहचान और ईलाज को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। श्री अमिताभ बच्चन की विश्वसनीय आवाज के साथ हमारे 'सबसे बड़ा बी' अभियान के माध्यम से, हमारा उद्देश्य पूरे भारत में समुदायों को शिक्षित और सशक्त बनाना है, जिससे व्यक्तियों को सूचित स्वास्थ्य विकल्प चुनने में मदद मिल सके।

नेशनल हाईवे पर आग का गोला बना पुआल से लदा ट्रॉला

बागपत(उत्तरशक्ति)। दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे पर आशीर्वाद रिसोर्ट के बाहर खड़ा पुआल से लदा ट्रैक्टर ट्रॉला आग का गोला बन गया। इसके बाद वहां पहुंची पुलिस टीम और अग्निशमन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आशीर्वाद रिसोर्ट के संचालक संजय सिंह ने बताया कि रिसोर्ट के पास हाईवे किनारे पुआल से लदा एक ट्रॉला खड़ा था। बृहस्पतिवार रात करीब दस बजे ट्रॉले में लदी पुआल में आग लग गई। आग की लपटें उठने पर उन्होंने देखा तो पानी लेकर आए और आग बुझाने का प्रयास किया। हवा चलने के कारण आग नहीं बुझी तो पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद वहां आई अग्निशमन विभाग की कई गाड़ियों ने आग बुझाई। उधर ट्रैक्टर ट्रॉला के मालिक का पता नहीं चल सका। पुलिस का कहना है कि ट्रॉला मालिक और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बिजली कनेक्शन काटने गई टीम पर पथराव

मेरठ (उत्तरशक्ति)। कंकरखेड़ा के सिंधावली गांव में बकाया ज्यादा होने पर बिजली कनेक्शन काटने गई टीम पर पिता-पुत्र ने पथराव कर दिया। सिर में फरसा मारकर विजिलेंस के हेड कांस्टेबल राहुल कुमार को घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सीओ दौराला प्रकाश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार सुबह विजिलेंस की टीम सिंधावली गांव में सतीश के घर पर बिजली कनेक्शन काटने गई थी। कनेक्शन काटते समय सतीश व उसके बेटे राजन ने विजिलेंस टीम के साथ अभद्र व्यवहार किया, जिसका विजिलेंस टीम ने विरोध किया। आरोप है कि गुस्साए पिता-पुत्र ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसी बीच आरोपियों ने विजिलेंस में तैनात हेड कांस्टेबल राहुल कुमार के सिर पर फरसे से हमला कर दिया। सिर में फरसा लगने से हेड कांस्टेबल राहुल लहूलुहान हो गए। हेड कांस्टेबल को लहूलुहान देखकर विजिलेंस टीम में हड़कंप मच गया। विजिलेंस टीम ने थाना पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला बुजुर्ग का शव

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। एम्स क्षेत्र के कैथवलिया गांव के सिवान में बृहस्पतिवार को 75 वर्षीय बुजुर्ग का शव संदिग्ध परिस्थितियों में शीशम के पेड़ से लटका मिला। पहचान पिपराइच क्षेत्र के मौलाखोर निवासी बुद्धिराम निषाद के रूप में हुई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, इसलिए खुदकुशी कर ली है। पहले भी कोशिश कर चुके थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि बुद्धिराम बुधवार को घर से निकले थे। काफी खोजबीन के बाद जब नहीं मिले तो सुबह होने का इंतजार करने लगे। सुबह उनकी मौत की सूचना मिली। एम्स क्षेत्र के कैथवलिया गांव के सिवान में जाकर देखा तो वह फंदे से झूल रहे थे। उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। आये दिन बिना बताए कहीं भी निकल जाते थे। उन्हें कई बार ढूंढकर घर लाया गया है। वहीं एम्स पुलिस का कहना है कि शव देखकर लग रहा है कि खुदकुशी की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

महाराष्ट्र में पत्रकारों के हितों के लिए एनयूजे महाराष्ट्र संघर्ष करेगी तेजः एस.कुमार

हंसराज कनौजिया ने कहा, हर जिले में पत्रकारों के संगठन को मजबूत किया जाएगा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। देश के सबसे बड़े पत्रकार संगठन नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हंसराज कनोजिया की अध्यक्षता में गुरुवार, 6 फरवरी 2025 को मुंबई के ओशिवारा स्थित रायगढ़ मिलिट्री स्कूल में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री एस कुमार ने पत्रकारों से बात करते हुए अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एनयूजेआई पिछले 53 वर्षों से देशभर में पत्रकारों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए लड़ने वाला संगठन है। उन्होंने बताया कि इस नव निर्वाचित नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स महाराष्ट्र इकाई के मुकाबले पिछला अनुभव बहुत खराब रहा है, जिसके कारण पत्रकारों को वह सुविधाएं नहीं मिल पाईं।एस कुमार ने आगे कहा कि इस दौर में मीडिया संस्थानों में पत्रकारों की संख्या में कमी आ रही है, जिसके कारण पत्रकारों की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर होती जा रही है। इसका परिणाम यह है कि पत्रकार बड़े बैनरों की बजाय छोटे बैनरों में काम करने को मजबूर हैं। वहीं, इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए महाराष्ट्र महिला मीडिया सेल की अध्यक्ष श्रीमती संजना गांधी भारती ने कहा कि हम महिला मीडिया पत्रकारों पर हो रहे अत्याचारों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया महिला पत्रकारों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास तेज करेगी। इस मौके पर नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री एस कुमार, महाराष्ट्र महिला मीडिया सेल की अध्यक्ष श्रीमती संजना गांधी भारती, रायगढ़ मिलिट्री स्कूल की प्रबंध अध्यक्ष राजू घरत,श्रीमती श्रावणी जोशी,बाबा लोंढे(उपाध्यक्ष),सरदार उत्तम सिंह(कोषाध्यक्ष),पी सी. कपाड़िया (सचिव), राज पांडे (सचिव), मनीष सेठ (सचिव), मीडिया प्रवक्ता इम्तियाज आजमी, कमिटी सदस्य अर्जुन कांबले, कल्पेश म्हात्रे, रमाकांत मुंडे, सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट इंडिया के महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हंसराज कनोजिया ने कहा कि हम मुंबई समेत महाराष्ट्र के हर जिले में पत्रकारों के संगठन को इतना मजबूत बनाएंगे कि आने वाले समय में हम पत्रकारों के परिवारों की शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान कर सकें। कनोजिया ने आगे कहा कि महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि पूरे देश में पत्रकार अपने परिवार का पालन-पोषण और बच्चों को ठीक से पढ़ा-लिखा भी नहीं पा रहे हैं, इसका मुख्य कारण यह है कि तमाम पत्रकारों के पास औपचारिक डिग्री नहीं है लेकिन उनके पास योग्यता है फिर भी उनके पास नौकरी नहीं है। उन्होंने कहा कि जो वरिष्ठ पत्रकार 60 साल के हो चुके हैं, उन्हें राज्य सरकार की नई पेंसिल योजना के तहत 20 हजार रुपये मासिक भता दिलाने के लिए हम प्रयास तेज करेंगे।

नहर किनारे मिली युवक की अधजली लाश

गोंडा (उत्तरशक्ति)। यूपी के गोंडा में आर्यनगर बाजार के बगल बनबाबा पुरवा के पास शुक्रवार को एक युवक का अधजला शव सरयू नहर की पटरी पर मिला है। शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर कई थानों की पुलिस पहुंच गई। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। थाना कौड़िया प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को पूर्व प्रधान ने सूचना दी थी। इस पर पुलिस टीम मौके पर भेजी गई। शव को बरामद किया गया है। मृतक ग्रे कलर की जींस पैंट, चकदार शर्ट व मेंहदी कलर का जैकेट पहने हुआ था। जैकेट अधजली है। स्थानीय स्तर पर उसकी शिनाख्त को लेकर काफी प्रयास किया गया।

गोपाल शेट्टी ने की बॉम्बे हाई कोर्ट का नाम बदलकर महाराष्ट्र उच्च न्यायालय करने की गोपाल शेट्टी ने केंद्रीय कानून मंत्री से की मांग

बोरीवली। उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने बॉम्बे हाईकोर्ट का नाम बदलकर 'महाराष्ट्र उच्च न्यायालय ' करने की केंद्र सरकार से पुनः मांग की है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने महाराष्ट्र की अस्मिता, स्वाभिमान और न्यायिक प्रतिष्ठा से संबंधित अत्यंत महत्वपूर्ण बॉम्बे हाईकोर्ट का नाम बदलकर महाराष्ट्र उच्च न्यायालय करने के संदर्भ में केंद्रीय कानून व न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को निवेदन पत्र भेजा है। बता दें कि जनसेवक गोपाल शेट्टी ने इस नामांतरण के लिए अनेक वर्षों से लगातर प्रयास किया है। इस संदर्भ में पहले भी केंद्रीय व राज्य मंत्रियों से बार-बार पत्राचार करके तथा प्रत्यक्ष मुलाकात करके भी वे अपनी यह मांग रख चुके हैं। जनसेवक गोपाल शेट्टी के अनुसार उन्होंने 14 दिसंबर 2022 को महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी विस्तृत पत्र भेजा था, जिसके उत्तर स्वरूप वर्ष 2023 में उनके कार्यालय से सकारात्मक प्रतिसाद देता हुआ एक पत्र प्राप्त भी हुआ था। जनसेवक गोपाल शेट्टी का कहना है कि महाराष्ट्र की न्याय व्यवस्था के ऐतिहासिक संदर्भ और राज्य की अस्मिता के जतन के लिए यह नामांतरण बेहद आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मराठी भाषा को अभिजात्य वर्ग का दर्जा दिया गया है जिसका सकारात्मक प्रभाव हाल ही में संपन्न महाराष्ट्र के लोकसभा चुनावों में दिखाई भी दिया है। आगामी महानगरपालिका चुनाव की पार्श्वभूमि पर इस नामांतरण को अगर अंतिम मान्यता प्रदान कर दी जाती है तो यह उसकी अस्मिता के लिए गौरवशाली क्षण होगा। जनसेवक गोपाल शेट्टी के अनुसार मुंबई हाई कोर्ट का नाम बदलकर महाराष्ट्र उच्च न्यायालय करने से महाराष्ट्र की न्याय व्यवस्था की अस्मिता को बल मिलेगा तथा मराठी भाषा को योग्य सम्मान और न्याय व्यवस्था में भी उचित स्थान भी प्राप्त होगा।

पीएनबी ने लॉच किया होम एक्सपो 2025 खास ऑफरों के साथ घर खरीदारों को सशक्त बनाने के लिए

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), सार्वजनिक क्षेत्र में देश के प्रमुख बैंक, ने पीएनबी होम लोन एक्सपो 2025 की मेजबानी कर रहा है, जो एक दो दिवसीय प्रमुख कार्यक्रम है तथा जिसका उद्देश्य घर खरीदारों और रियल एस्टेट निवेशकों को विशेष वित्तपोषण समाधानों का पता लगाने में मदद करना है। पीएनबी होम लोन एक्सपो 2025 प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स, वित्तीय विशेषज्ञों और इच्छुक घर खरीदारों को एक छत के नीचे लाएगा, जो घर के स्वामित्व को अधिक सुलभ, किफायती और सुविधाजनक बनाने के लिए कई विशेष लाभ प्रदान करेगा। एक्सपो में आने वाले लोग प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर अनुकूलित गृह ऋण साल्यूशन्स का लाभ उठा सकते हैं, साथ ही मौके पर पात्रता जांच और अनुमोदन के लिए पीएनबी ऋण अधिकारियों के साथ तत्काल परामर्श भी ले सकते हैं। इसके अलावा, घर खरीदारों को उनके सपनों के घरों पर जानकारी के साथ फैसला लेने में मदद करने के लिए विशेषज्ञ वित्तीय मार्गदर्शन उपलब्ध होगा। पात्र ग्राहक सैद्धांतिक स्वीकृति पत्र भी प्राप्त कर सकते हैं, अनुमोदित आवास परियोजनाओं में गृह ऋण लीड के 72 घंटों के भीतर अंतिम स्वीकृति पत्र जारी किए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त, एक्सपो में समर्पित डिजिटल टैब उपस्थित लोगों को व्यक्तिगत गृह ऋण प्रस्तावों तक तुरंत पहुंचने में मदद करेगा, जिससे आवेदन प्रक्रिया तेज और अधिक सुविधाजनक हो जाएगी। इस कार्यक्रम में प्रमुख डेवलपर्स के साथ टाई-अप भी होंगे, जो पात्र ग्राहकों को विशेष लाभों के साथ-साथ विशेष संपत्ति सौदे पेश करेंगे, जिससे एक सहज और फायदेमंद घर खरीदने का अनुभव सुनिश्चित हो सकेगा। इस मौके पर पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र ने कहाः ₹पीएनबी में हम घर खरीदारों को अनुकूलित वित्तीय साल्यूशन्स के साथ सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो घर के स्वामित्व की उनकी यात्रा को सरल बनाते हैं। पीएनबी होम लोन एक्सपो 2025 एक व्यापक मंच के रूप में कार्य करेगा, जो सर्वोत्तम होम लोन सौदों, विशेषज्ञ वित्तीय मार्गदर्शन और विशेष लाभों तक निर्बाध पहुंच प्रदान करेगा। पीएनबी के कार्यपालक निदेशक कल्याण कुमार ने कहाः एक्सपो का उद्देश्य पीएनबी सूर्यघर सहित बैंक के होम लोन उत्पादों के बारे में जागरूकता पैदा करना, गुणवत्तापूर्ण खुदरा ऋण उपलब्ध कराना और दीर्घकालिक ग्राहक संबंध बनाकर ब्रांड के प्रति निष्ठा को मजबूत करना भी है।

मुंबई में डाबर च्यवनप्राश की नई पहल ,बच्चों की इम्युनिटी को मजबूत करने का अभियान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। डाबर का प्रमुख हेल्थकेयर ब्रांड डाबर च्यवनप्राश ने आज देश भर में स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित बच्चों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एक मेगा जागरूकता पहल की शुरूआत की घोषणा की। इस पहल के तहत, प्रमुख डॉक्टर के साथ मिलकर डाबर च्यवनप्राश ने परिवर्तनशील मौसम, सामान्य बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने के लिए एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली बनाने की आवश्यकता पर बच्चों को शिक्षित करने के लिए प्रतिरक्षा सत्र आयोजित किया। आज इस अभियान को मुंबई में रा.फ. नाईक स्कूल के 250 से अधिक बच्चों के लिए आयोजित एक विशेष सत्र के साथ शुरू किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रताप महाडिक प्रिंसिपल, सीमा म्हात्रे प्रिंसिपल, दत्रात्रय धोडके, गौरी पवार, बेबीताई लांडगे और डाबर के दिनेश कुमार भी मौजूद थे ! इस सत्र का उद्देश्य सर्दियों में बीमारी से लड़ने के लिए बच्चों के बीच जागरूकता पैदा करना था। बच्चों को बुनियादी स्वच्छता और पौष्टिक आहार के माध्यम से अपनी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के तरीकों में भी शिक्षित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, डाबर इंडिया लिमिटेड के श्री अमित गर्ग, मार्केटिंग हेड- हेल्थ सप्लीमेंट्स, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, ₹डाबर च्यवनप्राश 100 से अधिक वर्षों से हर भारतीय को सबसे मजबूत प्रतिरक्षा प्राप्त करने में मदद के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल इस प्रतिबद्धता की दिशा में एक छलांग है। हम शीत लहर के बारे में चिंतित हैं जो हर साल कई जान ले लेती है। इस पहल के माध्यम से, हम इन बच्चों को च्यवनप्राश प्रदान करने के अलावा प्रतिरक्षा के महत्व को उजागर करके वंचित बच्चों को सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास करेंगे। डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, एमडी (आयुर्वेद), ने कहा, ₹मौसम परिवर्तन के चक्रों के दौरान अचानक तापमान परिवर्तन होता है, जो खांसी, ठंड और फ्लू जैसे संक्रमण और बीमारियों का कारण है। सर्दी और खांसी, श्वसन समस्याओं, अल्प प्रतिरक्षा जैसी बीमारियों से लड़ने का एक प्रभावी तरीका प्रतिरक्षा में वृद्धि है। डाबर च्यवनप्राश हमारी अंदरूनी प्रतिरक्षा आवश्यकताओं को बढ़ाने का एक प्रभावी समाधान है।

प्रतियोगिता के विजेताओं का हुआ सम्मान

चिराना(उत्तरशक्ति)। टोडपुरा रोड स्थित कस्बे की ब्रेनसीड स्कूल में शुक्रवार को विद्यालय समय के अंतिम कालांश में विधार्थियों को कौशल विकास की कई अच्छी जानकारियां दी गई और ढाई बजे बाद विद्यार्थियों के बीच वाक्य पुनरावर्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें गरिमा सैनी,नेहा सैनी,मोहित सैनी और यतिका सैनी ने सही उच्चारण के साथ बोलते हुए आयोजित प्रतियोगिता के विजेता बने। चारों विजेताओं को मौके पर ही इस कार्यक्रम के संयोजक रहे डॉ.राजेंद्र कुमावत ने मोमेंटो प्रदान कर उनको सम्मानित किया और कहा बच्चो में एकाग्रता पैदा करने वाली इस प्रकार की प्रतियोगिता होती रहनी चाहिए। उन्होंने कहा अलंकार से शोभित वाक्यों को बोलना अपने आप में रोचकता प्रदान करने वाला तो होता ही है साथ ही बच्चो में एकाग्रचितत्ता को बढ़ाने वाला भी है।पौन घंटे चली इस प्रतियोगिता में कई छात्रों ने अपनी बुद्धि का परिचय दिया। इस से पूर्व इन विद्यार्थियों ने अंग्रेजी अंताक्षरी में भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया और मेमोरी शार्प होने का संकेत दिया।इस दौरान स्कूल स्टाफ के प्रधानाध्यापक उम्मेद कुमार,अंकित सैनी,चैन सिंह, आरती बेड़तिया,बबली सोनी,रितु शर्मा और नमिता सैनी उपस्थित रहे। ज्ञानवर्धक रहे इस प्रोग्राम के लिए विद्यालय परिवार की ओर से डॉक्टर कुमावत का आभार व्यक्त किया गया।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने एस्टर 2025 को किया लॉन्च

पटना(उत्तरशक्ति)। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने अपनी श्रेणी में भारत की सबसे उन्नत एसयूवी - एमजी एस्टर का एमवाई 2025 एडिशन लॉन्च किया, जिसमें शाइन और सेलेक्ट वेरिएंट के लिए नए फीचर्स पेश किए गए हैं। एस्टर 2025 का शाइन वेरिएंट एक पैनोरमिक सनरूफ और छह स्पीकर के साथ आ रहा है, जिससे ड्राइविंग का अनुभव और भी शानदार हो जाता है। इससे एमजी एस्टर अपने सेगमेंट में 12.5 लाख रुपये से कम कीमत में पैनोरमिक सनरूफ देने वाली एकमात्र एसयूवी बन गई है। सेलेक्ट वेरिएंट में छह एयरबैग और प्रीमियम आइवरी लेदरेट सीट्स को जोड़ा गया है, जो सुरक्षा और आराम को और बढ़ाते हैं। एआई टेक्नोलॉजी से लैस यह भारत की पहली एसयूवी है, जो स्प्रिंट, शाइन, सेलेक्ट, शार्प प्रो और सेवी प्रो वेरिएंट में उपलब्ध होगी, जिसकी शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत 9.99 लाख रुपये होगी। एमजी एस्टर एमवाई 25 के वेरिएंट में कई रोमांचक फीचर्स* दिए गए हैं - फ्रंट रो में वेंटिलेटेड सीट्स, वायरलेस चार्जर, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कार प्ले, और अतिरिक्त सुरक्षा और सुविधा के लिए ऑटो-डिमिंग आईआरवीएम, साथ ही एक समग्र ड्राइविंग अनुभव के लिए अपग्रेडेड आई-स्मार्ट 2.0 के साथ एडवांस्ड यूजर इंटरफेस। एमजी एस्टर 2025 को आई-स्मार्ट 2.0 और 80+ कनेक्टेड फीचर्स से लैस किया गया है, जो ड्राइविंग अनुभव को अधिक सुविधाजनक बनाते हैं।

अपोलो की संस्थापक दिवस पर सामुदायिक पहल

नवी मुंबई। अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई (AHNM) अपने दूरदर्शी अध्यक्ष और आधुनिक भारतीय स्वास्थ्य सेवा के जनक के रूप में पहचाने जाने वाले, डॉ. प्रताप सी. रेड्डी के सम्मान में संस्थापक दिवस मनाता है। भारत में स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने के प्रती उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने अनगिनत लोगों की जान बचाई है और अगली पीढ़ियों को प्रेरित किया है। उनके असाधारण योगदान के सम्मान में, अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई प्रभावशाली सामुदायिक आउटरीच पहल शुरू कर रहा है, जो करुणा और उद्देश्य के साथ सेवा करने के उनके मिशन की पुष्टि करता है। इस वर्ष, अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई और अपोलो फामेर्सी ने 'गिरिजा' के साथ भागीदारी की है। 'गिरिजा' एक कल्याणकारी संगठन है जो नवी मुंबई के खारघर में बुजुर्गों और अनाथ बच्चों को आश्रय प्रदान करता है। अपोलो 'गिरिजा' को अपना समर्थन दे रहा है। 1) बुजुर्ग निवासियों की खुशहाली को बरकरार रखने के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच। 2) पौष्टिक फलों की थाली के जरिए पोषण संबंधी सहायता। 3) सुविधा में बाधा न आए इसके लिए चावल (700 किलोग्राम) की एक महीने की आपूर्ति के साथ जीविका सहायता। 4) बुजुर्ग निवासियों के सम्मान और देखभाल के लिए 500 वयस्क डायपर। 5) अनाथ बच्चों को पुस्तकों और स्टेशनरी से भरे 31 बैकपैक उपहार में देकर शिक्षा सशक्तिकरण। 6)आत्मविश्वास और स्वच्छता को बढ़ाने के लिए ग्रूमिंग किट के माध्यम से व्यक्तिगत देखभाल। 7) कर्मचारियों द्वारा साफ और रिफर्बिश्ड कपड़े और खिलौनों का दान। वसंत कुंजर, अध्यक्ष, गिरिजा वेलफेयर एसोसिएशन ने कहा, वंचितों के उत्थान के लिए अपोलो हॉस्पिटल्स का समर्पण वास्तव में दिल को छू लेने वाला है। उनकी उदारता भौतिक सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, वे हमारे निवासियों को सम्मान, प्रेम और देखभाल की भावना भी प्रदान करते हैं। यह पहल हमारे द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले बुजुर्गों और बच्चों के जीवन स्थायी रूप से प्रभावित करेगी। अरुणेश पुनेथा, वेस्टर्न रीजन-क्षेत्रीय सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा,संस्थापक दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि डॉ. रेड्डी की परिवर्तनकारी दृष्टि का सम्मान है। करुणा की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाना उनका सपना है। उन्होंने हमें यह जो विरासत दी है उसका सम्मान कर रहे हैं, हम उन लोगों की मदद करते हैं, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। उनका विश्वास है कि स्वास्थ्य सेवा को न केवल शरीर, बल्कि आत्मा को भी ठीक करना चाहिए और हमारी पहल उनके इस विश्वास को मूर्त रूप देती है।

अपोलो हॉस्पिटल्स में, संस्थापक दिवस एक अवसर से कहीं अधिक है, यह एक आंदोलन है, सक्रीय बनने का आवाहन है और हमारे उद्देश्य की पुष्टि है। सुलभ, करुणामय स्वास्थ्य सेवा के डॉ. रेड्डी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, हम जीवन को बदलना, स्वस्थ समुदायों का निर्माण करना और सभी के लिए एक उज्जवल भविष्य को आकार देना जारी रखते हैं।

जनपद जौनपुर के 6 हिस्ट्रीशीटरों की मृत्यु के उपरान्त हिस्ट्रीशीट खाका जलाकर किया गया नष्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरायख्वाजा के 6 हिस्ट्रीशीटर, जिनकी मृत्यु हो गयी थी। मृत्यु के उपरान्त आज 07 फरवरी 2025 को पुलिस अधीक्षक जौनपुर के आदेश के क्रम में क्षेत्राधिकारी सदर द्वारा थाना सरायख्वाजा प्रांगण में ल र खाका को जलाकर नष्ट कराया गया। मृत हिस्ट्रीशीटरों का विवरण HS 86A सुरेन्द्र प्रसाद तिवारी उर्फ पप्पू पुत्र अनुरुद्ध तिवारी ग्राम जहीरुद्दीनपुर थाना सरायख्वाजा जौनपुर, HS 89A संतोष सिंह पुत्र रामनरायण सिंह ग्राम मनिया थाना सरायख्वाजा जौनपुर। HS 36A सुबाष यादव पुत्र रघुनाथ यादव ग्राम जमीन पकड़ी थाना सरायख्वाजा जौनपुर। HS 12A प्रिन्स उर्फ प्रशान्त सिंह पुत्र प्रेमनरायण सिंह ग्राम नेवादाईश्वरी सिंह थाना सरायख्वाजा जौनपुर। HS 180A अनिल कुमार यादव पुत्र स्व0 लालजी यादव ग्राम भटेवरा थाना सरायख्वाजा जौनपुर। HS 04A पूरे मल्लाह पुत्र रामफेर ग्राम करसावा थाना सरायख्वाजा जौनपुर।

दिल्ली में पूर्ण बहुमत से बनने जा रही भाजपा सरकार: संजय उपाध्याय

नई दिल्ली। दिल्ली के लोग आम आदमी पार्टी के कुशासन और भ्रष्टाचार से तंगआ चुके हैं। यही कारण है कि इस बार दिल्ली में भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बनने जा रही है। दिल्ली में पार्टी के प्रचार के लिए आए बोरीवली विधानसभा के भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने हमारे संवाददाता से की गई बातचीत में उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता आपदा के दावों और दिखावे से परेशान हो गई है। इस बार वहां के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार बनने से दिल्ली का बहुमुखी विकास होगा और लोग खुशहाली का जीवन व्यतीत करेंगे।

महाकुंभ में स्नानार्थियों की संख्या 40.5 करोड़ के पार, 50 करोड़ डूबकी लगाने का अनुमान

महाकुम्भ नगर। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब एक नए शिखर पर पहुंच रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार तक महाकुम्भ में स्नानार्थियों की संख्या ने 40.5 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। शुक्रवार को सुबह 10 बजे तक 42.07 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगायी, जबकि सायंकाल यह आंकड़ा 77.60 लाख तक पहुंच गया। इसके साथ ही महाकुम्भ में स्नानार्थियों की कुल संख्या 40.5 करोड़ पार हो गई। स्नानार्थियों में 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश-विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे। अभी महाकुम्भ को 19 दिन शेष है और पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की संख्या 50 करोड़ के पार जा सकती है।

प्रयागराज में तीनों अमृत स्नान (मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी) के बाद भी श्रद्धालुओं व स्नानार्थियों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। पूरे देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से पवित्र त्रिवेणी में श्रद्धा और आस्था के साथ डुबकी लगाकर पुण्य प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु प्रतिदिन लाखों की संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं। बसंत पंचमी के अंतिम अमृत स्नान पर्व के बाद भी करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान को पहुंच रहे हैं। यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (मंत्रिमंडल समेत) संगम में डुबकी लगा चुके हैं। इसके अलावा प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, श्रीपद नाइक, बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी, राज्य सभा सांसद सुधा मूर्ति, असम विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे, गोरखपुर के सांसद रवि किशन, हेमा मालिनी, पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ, बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री, अनुपम खेर, मिलिंद सोमण, ओलम्पिक मेडलिस्ट साइना नेहवाल, एक्ट्रेस से किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनीं ममता कुलकर्णी, प्रख्यात कवि कुमार विश्वास, क्रिकेटर सुरेश रैना, अन्तरराष्ट्रीय रेसलर खली, कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा, बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता के अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद भी संगम में स्नान कर चुके हैं। आगामी 10 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी संगम में पावन डुबकी लगाने आएंगी। महाकुंभनगर के सेक्टर 7 स्थित कलाग्राम में भक्ति और लोक संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। प्रख्यात गायिका डॉ. सुष्मिता झा की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी। उनके भजनों अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरं राम..., हे जग पालक हे लक्ष्मी पतिह्व और शिव हो उतरब पर कओन विधिह्व ने आध्यात्मिक वातावरण में भक्ति की बयार बहा दी। कार्यक्रम की शुरूआत छत्तीसगढ़ के दुष्यंत द्विवेदी द्वारा पंडवानी गायन से हुई, जिसमें उन्होंने महाभारत के प्रसंगों को अपनी अनूठी शैली में प्रस्तुत किया। इसके बाद मध्य प्रदेश के अभिलाष चौबे एवं दल ने बधाई नृत्य से समां बांधा। महाराष्ट्र के शेखर निरंजन भाकरे एवं दल ने सोंगी भारुड नृत्य, जम्मू-कश्मीर की रशिका कौल एवं दल ने कश्मीरी पंडित लोकनृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्तराखंड के जितेंद्र बलोनी एवं साथी कलाकारों ने भड़िया चोफुला नृत्य के माध्यम से मां पार्वती के शिव को प्रसन्न करने के प्रयास को जीवंत किया। राजस्थान की दुर्गा देवी व दल ने प्रसिद्ध तेराताली नृत्य प्रस्तुत किया। असम के पद्मश्री द्रोणा द्वारा देवधानी नृत्य और आंध्र प्रदेश के पिली मेंटराजू द्वारा गरागालु नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां भी दर्शकों को खूब भायीं।

शंकराचार्य श्रृंगेरी मठ श्रीश्री विधु शेखर भारती ने किया बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन

-सुरेश गांधी

वाराणसी। श्रृंगेरी मठ के परम पूज्य शंकराचार्य जगतगुरु श्री श्री विधु शेखर भारती जी ने शुक्रवार को प्रातः मंगला आरती के बाद श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया। इस दौरान शंकराचार्य जी ने श्री विश्वेश्वर महादेव को शास्त्रोक्त पूजन सामग्री अर्पित कर पूर्ण विधि विधान से भगवान विश्वनाथ का पूजन-अर्चन कर सनातन जगत के कल्याण की कामना की।

जगद्गुरु ने बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भक्तों को श्री विश्वनाथ महादेव के धाम में न्यास द्वारा समस्त संभव सुविधा एवं सुरक्षा के प्रयास किए जा रहे हैं और भविष्य में इसे और भी अच्छा किया जाएगा यह विश्वास है। परम पूज्य शंकराचार्य जी ने श्री काशी विश्वनाथ धाम में अन्य विग्रहों पर भी दर्शन पूजन किया। परमपूज्य शंकराचार्य जी के धाम में आगमन के समय परिसर हर हर महादेव के उद्घोष से गूंजता रहा। मुख्यमंत्री के वर्तमान सलाहकार (पूर्व आईएएस) अवनीश अवस्थी, नीति आयोग के अध्यक्ष एन वेंकट रमण, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र एवं डिप्टी कलेक्टर शंभू शरण ने जगद्गुरु शंकराचार्य जी का स्वागत किया। बता दें, परमपूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य श्रृंगेरी मठ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के पदेन स्थाई सदस्य हैं। अतः श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा जगद्गुरु के प्रति स्वाभाविक सम्मान एवं आदर है। इसी कारण आदरणीय जगद्गुरु का भी स्वाभाविक अनुग्रह न्यास को प्राप्त है। मां अन्नपूर्णा मंदिर में नौ दिनों का महानुष्ठान चल रहा है। शुक्रवार को शुभ मुहूर्त में कुंभाभिषेक संपन्न हुआ। इस दौरान श्रृंगेरी मठ के शंकराचार्य समेत कई वैदिक विद्वान शामिल हुए। शुभ मुहूर्त में श्रृंगेरी मठ के शंकराचार्य विधुशेखर भारती ने रजत कलश से कुंभाभिषेक किया। शंकराचार्य ने पहले मां अन्नपूर्णा की पूजा- अर्चना की। इसके बाद पूजन सामग्री को मंदिर के शिखर पर ले जाया गया। जहां शंकराचार्य ने विधि- विधान से कुंभाभिषेक किया। काशी में पहली बार ऐसा हो रहा है जिसमें चार वेदों, 18 पुराणों के पारायण के साथ पांच अनुष्ठान हो रहे हैं। नौ दिनों तक ालने वाले इस महानुष्ठान में सात राज्यों से 1100 से अधिक वैदिक विद्वान शामिल हैं। खास ये भी है कि आदि शंकराचार्य के एक पीठ के शंकराचार्य भी इसमें शामिल हैं। मां अन्नपूर्णा को प्रसन्न करने के लिए कोटि कुमकुमार्चन, सहस्त्रचंडी यज्ञ, 25 सुहागिनों का पूजन हो रहा है। इसके साथ कोटि सहस्त्रार्चन और 10 महाविद्याओं का जप हो रहा है। उधर, केदारघाट स्थित श्रृंगेरी मठ के ही शाखा में महारुद्र यज्ञ भी चल रहा है।

उल्हासनगर में हिंदी भाषिक भवन के लिए जमीन देने की मांग

उल्हासनगर। हिंदी भाषिक समाज के लिए हिंदी भाषिक भवन बनाने की लगातार मांग करने वाली संस्था हिंदी भाषी फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष संतोष पांडे ने उल्हासनगर महानगरपालिका की आयुक्त मनीषा आव्हाले को पत्र लिखकर उल्हासनगर 3 में बाल्कनजी बारी नामक गैर सरकारी ट्रस्ट को आवंटित 10 एकड़ जमीन में से हिंदी भाषी समाज के शादी विवाह आदि सामाजिक कार्यों के लिए 2 एकड़ जमीन हिंदी भाषी भवन के निर्माण के लिए देने की मांग की है। आयुक्त को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि सरकार ने केवल सामाजिक कार्यों के लिए बाल्कनजी ट्रस्ट को 99 वर्षों की लीज पर 10 एकड़ जमीन दी है जबकि उक्त संस्था द्वारा प्राप्त जमीन का व्यावसायिक हितों के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे सरकार को भारी राजस्व का नुकसान हो रहा है। हिंदी भाषी फाउंडेशन द्वारा सांसद श्रीकांत शिंदे तथा विधायक कुमार आयलानी से कई बार हिंदी भाषी भवन के निर्माण के लिए जगह देने की मांग की गई है। आयुक्त को लिखे गए पत्र में अध्यक्ष संतोष पांडे के साथ उपाध्यक्ष महेश यादव, महासचिव प्रमोद पांडे, कोषाध्यक्ष विपिन सिंह, विधि सलाहकार एडवोकेट रुक्मणी पांडे तथा सलाहकार अनिल मिश्रा ने भी पत्र पर हस्ताक्षर कर हिंदी भाषी भवन के लिए जल्द से जल्द भूमिआवंटित किए जाने की मांग की है।

अमेरिका में रह रहे भारतीयों को बड़ी राहत, ट्रंप के इस आदेश पर लगी रोक, फैसला देते हुए कोर्ट ने लगाई फटकार

वाशिंगटन। मेरिका में रह रहे भारतीयों को आज बड़ी राहत मिली है। वीजा पर रहने वाले और ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय छात्रों और पेशेवरों को अमेरिका छोड़ने का डर अब खत्म हो जाएगा। दरअसल, सिएटल के एक कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस आदेश पर अनिश्चित काल के लिए रोक दी है, जिसमें जन्मजात नागरिकता को समाप्त करने का आदेश जारी किया गया था। ट्रंप सरकार के आदेश की आलोचना करते हुए, सिएटल कोर्ट ने कहा कि ट्रंप संविधान के साथ नीतिगत खेल खेलने के लिए कानूनी राज को दरकिनार करने की कोशिश कर रहे हैं।

अमेरिका के जिला न्यायाधीश जॉन कफनौर का ये प्रारंभिक रोक जजमेंट अमेरिकी कानून को बदलने के साथ ट्रंप की व्यापक निर्वासन कार्रवाई को दूसरा बड़ा कानूनी झटका है। इससे पहले मैरीलैंड के एक जज ने भी ऐसा ही फैसला सुनाया था।

यह स्पष्ट हो गया है कि हमारे राष्ट्रपति के लिए कानून का शासन उनके नीतिगत लक्ष्यों के लिए एक बाधा मात्र है। उनके अनुसार, कानून का शासन कुछ ऐसा है जिसे दरकिनार किया जा सकता है या बस अनदेखा किया जा सकता है, चाहे वह राजनीतिक या व्यक्तिगत लाभ के लिए हो। जज ने आगे कहा कि इस न्यायालय में और मेरी निगरानी में कानून का शासन बना रहेगा, चाहे कोई कुछ भी हो। जज ने आगे कहा कि संविधान ऐसी चीज नहीं है जिसके साथ सरकार नीतिगत खेल खेल सके। यदि सरकार जन्मजात नागरिकता के कानून को बदलना चाहती है, तो उसे संविधान में ही संशोधन करने की आवश्यकता है।

20 जनवरी को दूसरी बार कार्यभार संभालने के तुरंत बाद, ट्रंप ने अमेरिका में जन्मजात नागरिकता को समाप्त करने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। यह आदेश अमेरिकी धरती पर जन्मे उन बच्चों को अमेरिकी नागरिकता देने से इनकार करता है, जिनके माता-पिता अमेरिका के स्थायी निवासी नहीं हैं।

इस आदेश ने अमेरिका में भारतीय समुदाय के बीच चिंता पैदा कर दी, खासकर एच-1बी (कार्य वीजा), एल (इंट्रा-कंपनी ट्रांसफर), एच-4 (आश्रित वीजा) और एफ (छात्र वीजा) जैसे अस्थायी वीजा पर रहने वालों के। ट्रंप के आदेश के अनुसार, अस्थायी वीजा पर माता-पिता से पैदा हुए बच्चों को नागरिकता नहीं मिलेगी, जब तक कि उनमें से एक माता-पिता अमेरिकी नागरिक या ग्रीन कार्ड धारक न हो।

मोटापे से पीड़ित 5 में से 2 भारतीय में अधिकांश को डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल

मुंबई। नोवो नॉर्डिस्क द्वारा हाल ही में की गई एक स्टडी से पता चला है कि भारत में पीडब्ल्यूओ (पीपल विद ओबेसिटी) के सामने बड़ी चुनौतियां है। ये स्टडी मोटापे से ग्रस्त 2,000 से अधिक लोग (पीडब्ल्यूओ) और 300 हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स (एचसीपी) पर की गई थी। अध्ययन से मोटापे के बारे में जागरूकता, समझ और प्रबंधन के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर पता चल रहा है, जो उपचार के लिए एक एकीकृत, दीर्घकालिक दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित करता है। अध्ययन से पता चला है कि भारत में हर तीन में से एक पीडब्ल्यूओ अपनी स्थिति की गंभीरता को नहीं समझता है और अक्सर खुद को केवल अधिक वजन वाला या सामान्य वजन वाला मानता है। यह मोटापे को लेकर फैली गलत धारणाओं और इसके प्रभावों के प्रति जागरूकता की कमी को दशार्ता है, जो इलाज में देरी और खराब स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ाती है। अक्सर इस बात को नजरअंदाज कर दिया जाता है कि मोटापा कई जटिलताओं से जुड़ा हुआ है, जो शरीर के हर हिस्से को प्रभावित करता है। इसमें शारीरिक, मेटाबॉलिक, हार्ट संबंधी, कैंसर, मानसिक और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं शामिल हैं। मोटापे से ग्रसित हर पांच में से दो व्यक्ति (पीडब्ल्यूओ) हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज जैसी परेशानियों से पीड़ित हैं। हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स (एचसीपी) की रिपोर्ट के अनुसार, कई पीडब्ल्यूओ को 1 से 4 परेशानियां साथ होती है। जैसे हाई ब्लड प्रेशर (32%), हाई कोलेस्ट्रॉल (27%), ईटिंग डिसऑर्डर (23%) और हृदय संबंधी बीमारियां (19%)। यह इस तथ्य को मजबूत करता है कि मोटापा एक लंबी बीमारी है, जिसके लिए मेडिकल सलाह की आवश्यकता होती है। नोवो नॉर्डिस्क इंडिया की वाइस प्रेसिडेंट (क्लिनिकल, मेडिकल, रेगुलेटरी और फामार्कोविजिलेंस) डॉ. माया शर्मा ने इस मुद्दे पर बात करते हुए कहा, मोटापे के प्रबंधन की दिशा में पहला कदम यह समझना है कि यह एक दीर्घकालिक बीमारी है। हमें पीडब्ल्यूओ को ऐसे उपकरण और संसाधन प्रदान करने की आवश्यकता है, जो न केवल उनका वजन कम करने में मदद करें, बल्कि लंबे समय तक उस वजन को बनाए रखने में भी सहायक हों। मोटापे से पीड़ित लोगों (पीडब्ल्यूओ) को वजन घटाने में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है और वजन को बनाए रखने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सर्वेक्षण में शामिल आधे से अधिक लोगों ने बताया कि बदलाव के प्रयासों के बावजूद, वे अपनी पुरानी खाने की आदतों पर लौट जाते हैं। प्रेरणा की कमी, असफलता का डर, अस्वास्थ्यकर खाने की आदतें और व्यायाम की कमी इसमें सबसे आम बाधा है। चिंताजनक रूप से, 44% लोग छह महीनों के भीतर अपना घटाया हुआ वजन फिर से बढ़ा लेते हैं।

धूमधाम से मना 'हमारा आंगन हमारे बच्चे' कार्यक्रम

सिरकोनी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधानसभा जफराबाद के अंतर्गत आने वाले विकासखंड सिरकोनी के ब्लॉक संसाधन केंद्र बी.आर.सी. के प्रांगण में तीन से छह वर्ष के साथ अधिक से अधिक विद्यार्थियों को पूर्व प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने के लिए हमारा आंगन - हमारे बच्चे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत तीन से छह वर्ष के बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडने के लिए सभी जिम्मेदारों को अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।आंगनबाड़ी कार्यकर्ती, शिक्षक व विद्यालय प्रबंध समिति के जिम्मेदार इस दिशा में सार्थक पहल करना सुनिश्चित करें। उक्त बातें कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सिरकोनी ब्लाक के सहायक विकास अधिकारी रामसिंह आई. एस. बी. ने कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में सिरकोनी ब्लाक की बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती इन्द्रा पाल ने कहा कि छोटे बच्चों को शिक्षित करने की जितनी जिम्मेदारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ती व शिक्षकों की है।उतनी ही नामांकन व नियमित उपस्थिति का ध्यान

रखने की जिम्मेदारी अभिभावकों की भी है । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी सिरकोनी अमरेश कुमार सिंह ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों व प्राथमिक विद्यालयों में बुनियादी साक्षरता के अर्तगत कई प्रकार की सुविधाएं और प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं और दोनो के तालमेल से ही बुनियादी शिक्षा के अभीष्ट लक्ष्यो को प्राप्त किया जा सकता है। खंड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आगे कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत परिषदीय स्कूलों में बेसिक शिक्षा विभाग और बाल विकास विभाग की ओर से नौनिहालों को शिक्षा से जोड़ने की पहल की जा रही है। अभिभावकों को पूर्व प्राथमिक एवं बुनियादी शिक्षा में उनकी एवं घर की भूमिका से सतत अवगत कराया जा रहा है जिससे विद्यालयों में नामांकन, उपस्थिति व बच्चों के ठहराव में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कार्यक्रम में सिरकोनी ब्लाक के सभी न्याय पंचायत से बाल वाटिका के 27 बच्चों तथा कक्षा एक व दो के 45 निपुण बच्चों को खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा कापी व पेन देकर पुरस्कृत किया गया । ब्लाक के 51 निपुण विद्यालयों के प्रधानाध्यापक को सर्टिफिकेट देकर खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह द्वारा उनका सम्मान किया गया। सम्मान की इसी कड़ी में 100 मीटर लम्बी दौड़ में मण्डल स्तर पर चयनित कम्पोजिट विद्यालय परियावां की छात्रा लक्ष्मी निषाद को माला पहनाकर तथा कापी एवं पेन का सेट प्रदान करके तथा 200 मीटर लम्बी दौड़ में राज्य स्तर पर चयनित कम्पोजिट विद्यालय सेहमलपुर की छात्रा अंशिका यादव को अंगवस्त्रम व मोमेंटो देकर उनका उत्साहवर्धन व सम्मान किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं कम्पोजिट विद्यालय इलिमपुर व कम्पोजिट विद्यालय सेहमलपुर के बच्चो की सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत से की गई। बीईओ सिरकोनी अमरेश कुमार सिंह द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को अंगवस्त्रम एवम मोमेंटो प्रदान करके उनका स्वागत व अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा क्रमशः ग्रुप डांस,देश रंगीला, राम आयेंगे, नशामुक्ति नाटक,बम बम बोले -मस्ती में डोले नृत्य गीत, संगीतमय झांकी तथा आरम्भ है प्रचण्ड गीत पर नृत्य प्रस्तुति और समाज पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर नाटक प्रस्तुत किया गया। प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर, खरचलपुर, केशवपुर, गयासपुर,कोतवालपुर , कादीपुर सिरकोनी, तथा कम्पोजिट विद्यालय सेहमलपुर के शिक्षकों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे नवाचार पर टी एल एम स्टाल लगाकर कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का ध्यानाकर्षण तथा अभिभावकों को प्राथमिक विद्यालयों की ओर आकर्षित किया गया।

काशी में लगने लगा है नागा सहित साधु-संतो व धमार्चार्यो का जमघट

वाराणसी। महाकुंभ में तीनों प्रमुख अमृत स्नान के बाद अब देवों के देव महादेव की नगरी काशी में साधु-संतों व धमार्चार्यो का जमघट होने लगा है। इसमें नागा साधुओं से लेकर अखाड़ा से जुड़े साधु-संत व धमार्चार्य शामिल हैं। काशीवासी भी उनके स्वागत में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे। ये साधु संत गंगा किनारे शिविर लगाकर जप-तप में लीन होने लगे है। उनकी सुरक्षा व कार्ययोजनाओं के बाबत शुक्रवार को पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल व जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने महाकुंभ से लौटकर काशी पहुंचने वाले विभिन्न अखाड़ों के साधु संतों के अलावा जूना अखाड़ा के महन्त श्रीहरि गिरी जी महाराज से मुलाकात कर कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साधु-सन्त, नागा व धमार्चार्य का वाराणसी में होने वाले आगमन, प्रवास व शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत उनसे वार्ता की।

पुलिस आयुक्त द्वारा साधु-सन्तों के आगमन, प्रवास व शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व यातायात व्यवस्था हेतु सम्बन्धित को विशेष प्रबन्ध किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) एस. चन्नप्पा, अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन टी. सरवणन, अपर जिलाधिकारी नगर आलोक वर्मा, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश पाण्डेय व सम्बन्धित सहायक पुलिस आयुक्त व थाना प्रभारी उपस्थित रहें। बता दें, महाकुंभ से अब काशी में नागा साधुओं का जुटान होने लगा है। सनातन परंपरा के तेरह अखाड़ों में करीब छह अखाड़े के संन्यासियों का भी काशी आगमन शुरू हो गया है। यहां गंगा किनारे मिनी कुंभ की झलक दिखने लगी है। गंगा के प्रमुख घाटों पर टेंट लग रहे हैं। कुछ बनकर तैयार हो गए हैं। सात्विक भोजन बनाकर नागा साधु अपनी भक्ति में लीन हैं। महाकुंभ में अब तक तीन अमृत स्नान पूरे हो गए हैं जिनमें मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और वसंत पंचमी थे। प्रयागनगरी के त्रिवेणी तट से साधु-संन्यासियों के शिविर खुलने शुरू हो गए हैं, अब उनका समूह काशी की ओर अग्रसर हो चला है। विभिन्न अखाड़ों और संप्रदाय के नागा साधु गंगा की रेती पर भी अपने टेंट बनाते हैं। नागा साधुओं के दर्शन-पूजन के लिए दक्षिण और आसपास के भक्त भी आने लगे हैं। घाटों पर सैर-सपाटा करने वाले पर्यटक भी इनका आशीर्वाद ले रहे हैं। शरीर में भभूत लगाकर साधना में लीन नागा साधुओं से विदेशी पर्यटक भी काफी आकर्षित होते हैं। इनके साथ शिविर में समय भी व्यतीत करते हैं। आदि शंकराचार्य द्वारा धर्म रक्षा के लिए चार पीठों की स्थापना की थी। वे चारों स्थान ज्योतिष्पीठ बद्रिकाश्रम (विद्यामठ), श्रृंगेरी पीठ (लहुराबीर), द्वारिका शारदा पीठ (विद्यामठ) और पुरी गोवर्धन (अस्सी) पीठ हैं। 13 अखाड़ों में नागा साधुओं के सबसे बड़े अखाड़ों में शामिल श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा सहित चार प्रमुख शैव संन्यासी अखाड़ों का मुख्यालय धर्म और संस्कृति की नगरी काशी में ही है। इनमें हनुमान घाट पर श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा, दशाश्वमेध घाट पर श्री पंचदशनाम आवाहन अखाड़ा, हनुमान चौक कपिलधारा में श्री पंच अटल अखाड़ा, शिवाला घाट पर महानिरंजनी अखाड़ा के मुख्यालय हैं।

अमेरिका पहुंचकर नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह के लिए मजे, ट्रंप को खास तोहफा देकर आतंकी संगठन की उड़ाई खिल्ली

वाशिंगटन। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में अमेरिका दौरा किया और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ गाजा हमले समेत कई मुददों पर बातचीत की। इसी दौरान ट्रंप ने गाजा पर कब्जा करने की बात तक कही। वहीं, मुलाकात के दौरान नेतन्याहू ने ट्रंप को एक खास तोहफा दिया, जिससे उन्होंने हिजबुल्लाह की खिल्ली भी उड़ाई। दरअसल, इजरायली प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक गोल्डन पेजर और एक स्टैंडर्ड पेजर उपहार में दिया। इस गोल्डन पेजर पर नेतन्याहू की ओर से लिखा था, ॠराष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप, हमारे सबसे बड़े मित्र और सबसे बड़े सहयोगी। वहीं, पेजर पर लिखा था, ॠदोनों हाथों से दबाएं। जेरूसलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इस चमकदार गिफ्ट पर एक बीपर संदेश था, जो सितंबर 2024 में लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकियों पर इजरायल के घातक पेजर हमले की खिल्ली उड़ाने जैसा था। दरअसल, जब इजरायल ने हिजबुल्लाह के सदस्यों पर हमला किया था, तब भी उनके पेजर पर प्रेस विद बोथ हैंड्स यानी दोनों हाथों से दबाएं संदेश लिखा था, जिसे दबाते ही वो फट गए। बता दें कि पिछले साल सितंबर में लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले हजारों पेजर फट गए थे, जिससे आतंकी संगठन के दर्जनों लोग मारे गए और घायल हो गए।